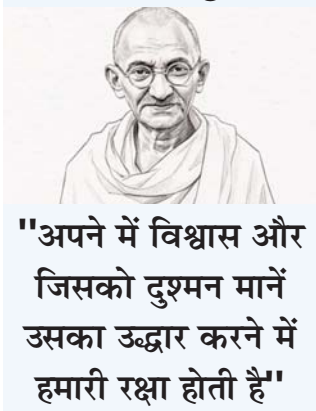




त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा

वर्ष-32 अंक-214

नर्मदापुरम् (होशंगाबाद) रविवार 04 अक्टूबर 2026

पृष्ठ-8 मूल्य -1 रुपये

सम्पादक- कृष्णाकान्त सक्सेना

आर्थिक लचीलापन सामाजिक लचीलेपन से अलग नहीं : उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

नई दिल्ली (आरएनएस)। उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित पांचवें कौटिल्य आर्थिक सम्मेलन में उद्घाटन भाषण दिया। "फ्लक्स के युग में लचीलापन" विषय पर आयोजित सम्मेलन में नीति निर्माताओं, अर्थशास्त्रियों, शिक्षाविदों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए उन्होंने तेजी से बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच लचीली, समावेशी और उत्तरदायी आर्थिक नीतियों की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आर्थिक लचीलेपन को सामाजिक लचीलेपन से अलग करके नहीं देखा जा सकता। उपराष्ट्रपति ने इस्टीमेट ऑफ इकोनॉमिक ग्रोथ (आईईजी) की विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1952 में प्रोफेसर वी. के. आर. वी. राव के नेतृत्व में स्थापित यह संस्थान भारत की विकास यात्रा से लंबे समय से जुड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रभावी और ठोस नीति निर्माण के लिए जमीनी वास्तविकताओं की समझ आवश्यक है। साथ ही नीतियों को बदलती परिस्थितियों के अनुरूप लचीला और उत्तरदायी बनाए रखना भी जरूरी है।

श्री राधाकृष्णन ने कहा कि परिवर्तन के दौर में निर्णायकता को व्यापक सहमति पर आधारित होना चाहिए। उन्होंने कहा कि बहस और चर्चा लोकतंत्र के अभिन्न अंग हैं, लेकिन उनका अंतिम उद्देश्य ऐसे निर्णयों तक पहुंचना होना चाहिए जिन्हें व्यापक स्वीकृति प्राप्त हो।

फ्लाईदुबई हमले की जांच में बड़े खुलासे

हमलावर पर पहले ही था उड़ान प्रतिबंध, कट्टरपंथी विचारों से था प्रभावित



नई दिल्ली ,(आरएनएस)। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाईदुबई की उड़ान में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर हमला करने वाले ओमानी सह-पायलट की पहचान हमाम अल-हम्मामी के रूप में हुई है। घटना की जांच के बीच सामने आया है कि अल-हम्मामी को कथित तौर पर उसके वैचारिक रुझानों को लेकर पहले ही ओमान में उड़ान भरने से रोक दिया गया था। इसके बावजूद वह बाद में फ्लाईदुबई में नौकरी पाने में कामयाब रहा और दुबई-तेल अवीव मार्ग पर उड़ान भर रहा था। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने जांच से परिचित लोगों के हवाले से यह जानकारी दी है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ओमानी अधिकारियों ने अल-हम्मामी को सुरक्षा जोखिम के तौर पर चिन्हित किया था और उसके कट्टरपंथी विचारों को लेकर उस पर उड़ान संबंधी प्रतिबंध लगाया गया था। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है

कि ओमान ने उसकी पृष्ठभूमि और सुरक्षा संबंधी चिंताओं की जानकारी अन्य देशों या एयरलाइंस के साथ साझा की थी या नहीं। ओमान और फ्लाईदुबई की ओर से इस मामले पर सार्वजनिक तौर पर विस्तृत प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की उड़ान एफजेड-1073 दुबई से तेल अवीव जा रही थी। विमान में 170 से अधिक यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में पहुंचने के बाद कॉकपिट में दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। आरोप है कि सह-पायलट ने भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर हमला कर उन्हें घायल कर दिया और विमान का नियंत्रण अपने हाथ में लेने की कोशिश की। हमले के बावजूद घायल कैप्टन मच्छर कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफल रहे। इसके बाद कुछ यात्रियों ने कॉकपिट में पहुंचकर सह-पायलट को काबू किया। इस दौरान विमान अचानक तेजी से नीचे आया और उड़ान के आंकड़ों के अनुसार कुछ ही समय में करीब 16 हजार फीट की ऊंचाई गंवा दी। बाद में दो ऑफ-ड्यूटी पायलटों ने विमान को संभालने में मदद की और विमान को सऊदी अरब के तबुक ले जाकर सुरक्षित उतारा गया। जांच एजेंसियां इस बात की पड़ताल कर रही हैं कि सह-पायलट का मकसद क्या था और क्या उसने अकेले ही विमान को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की। इजराइली अधिकारियों ने आरोप लगाया है कि वह विमान को दुर्घटनाग्रस्त करना चाहता था। हालांकि, अंतिम निष्कर्ष जांच पूरी होने के बाद ही सामने आएगा। इस घटना के बाद विमान की सुरक्षा व्यवस्था और सह-पायलट की नियुक्ति प्रक्रिया पर भी सवाल उठ रहे हैं। खासतौर पर यह जांच का विषय है कि ओमान में सुरक्षा संबंधी चिंताओं के बावजूद अल-हम्मामी को फ्लाईदुबई में नियुक्ति कैसे मिली और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए उसकी सुरक्षा जांच किस तरह हुई। यूपीए इस मामले की जांच कर रहा है, जबकि सऊदी अरब और इजराइल की एजेंसियां भी घटना से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही हैं। इस पूरे घटनाक्रम में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर की भूमिका अहम रही, जिन्होंने गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद विमान को बचाने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

दिल्ली में सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ प्रदर्शन पर 3 FIR, संसद मार्ग और कर्नाट प्लेस थाने में केस दर्ज



नई दिल्ली, (आरएनएस)। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिल्ली में हुए प्रदर्शन के मामले में दिल्ली पुलिस ने तीन एफआईआर दर्ज की हैं। ये मामले प्रदर्शनकारियों द्वारा निषेधाज्ञा के बावजूद जुटने और प्रदर्शन करने के आरोपों से जुड़े हैं। दो एफआईआर संसद मार्ग थाने में, जबकि एक एफआईआर कर्नाट प्लेस थाने में दर्ज की गई है। पुलिस के अनुसार, संसद मार्ग थाने में दर्ज दोनों एफआईआर में बीएनएस की धारा 223(ए), 221, 132 और 3(5) लगाई गई हैं। वहीं, कर्नाट प्लेस थाने में दर्ज तीसरी एफआईआर में बीएनएस की धारा 223, 221, 132 और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि इन मामलों की जांच की जा रही है। ये एफआईआर 2 अक्टूबर को जंतर-मंतर के आसपास हुए उस प्रदर्शन के बाद दर्ज की गई हैं, जिसमें कांग्रेस, आम आदमी पार्टी, वाम दलों, छात्र संगठनों और सिविल सोसाइटी से जुड़े लोगों ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी। पुलिस ने प्रदर्शन से पहले नई दिल्ली जिले में बीएनएसएस की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू की थी। इसके बावजूद प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर की ओर जुटने की कोशिश कर रहे थे। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, एफआईआर पुलिस की दैनिक डायरी में दर्ज प्रविष्टियों के आधार पर दर्ज की गई हैं। रिपोर्टों के अनुसार, एफआईआर में फिलहाल किसी व्यक्ति या संगठन को आरोपी के तौर पर नामित नहीं किया गया है, हालांकि प्रदर्शन के आयोजकों और इसमें शामिल संगठनों का उल्लेख किया गया है।

दर्दनाक हादसा : दाला ने बाइक को 50 मीटर घसीटा, पति-पत्नी और 14 साल की बेटी की मौत



भोपाल ,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के बदनावर में लेबड़-नयागांव फोरलेन पर शनिवार सुबह भीषण सड़क हादसे में एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 12 वर्षीय बच्ची गंभीर रूप से घायल हो गई। बड़ी चौपाटी से कुछ दूरी पर पिटरगारा तिराहे के पास सुबह करीब 7 बजे तेज रफ्तार दाला ने बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दाला बाइक को करीब 50 मीटर तक घसीटा दाला गया। इसके बाद बाइक अलग हो गई और चालक दाला

लेकर मौके से फरार हो गया।

हादसे में बाइक सवार राहुल पिता निर्भय सिंह भाटी (35), उनकी पत्नी पूजा (30) और 14 वर्षीय बेटी सुमन की मौके पर ही मौत हो गई। उनकी 12 वर्षीय दूसरी बेटी शिवानी गंभीर रूप से घायल हुई है। उसे बदनावर के सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर रतलाम रेफर कर दिया गया। बताया गया कि राहुल अपनी पत्नी और दोनों बेटियों के साथ बाइक से ग्राम धमाना में लहसुन की बोवनी करने जा रहा था। इसी दौरान पिटरगारा तिराहे के पास पीछे से आए तेज रफ्तार दाला ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में परिवार के तीन सदस्यों की मौके पर ही जान चली गई।

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन मौके पर पहुंच गए। तीन लोगों की मौत और एक बच्ची के गंभीर घायल होने से लोगों में आक्रोश फैल गया।

यूपी में सपा ने बदले दो एमएलसी उम्मीदवार, अखिलेश बोले-अनुभवी चेहरों के आने से जीत पक्की

लखनऊ ,(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में विधान परिषद के शिक्षक निर्वाचन क्षेत्रों के चुनाव से पहले समाजवादी पार्टी ने अचानक अपने दो उम्मीदवार बदल दिए हैं। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गोरखपुर-फैजाबाद शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से कमलेश यादव की जगह डॉ. संजयन त्रिपाठी और आगरा खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से प्रकाश चंद्र गुप्त की जगह पूर्व एमएलसी डॉ. आकाश अग्रवाल को उम्मीदवार बनाए जाने की घोषणा की है। दोनों बदलावों को अखिलेश यादव ने संबंधित नेताओं की सहमति से लिया गया फैसला बताया। अखिलेश यादव ने नए प्रत्याशियों का स्वागत करते हुए पहले घोषित उम्मीदवारों कमलेश यादव और प्रकाश चंद्र गुप्त, उनके परिवारों तथा समर्थकों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि दोनों ने जिस तरह पार्टी के फैसले में सहयोग किया है, उसके लिए वह उनके हमेशा आभारी रहेंगे।

राजौरी में 17 साल की लड़की ने पार की एलओसी, भारतीय सेना ने जम्मू-कश्मीर पुलिस को सौंपा



राजौरी,(आरएनएस)। राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पार करने के बाद, भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर (पीओजेके) की एक 17 साल की लड़की को हिरासत में ले लिया। अधिकारियों ने बताया कि भारतीय सेना ने पीओजेके की एक 17 साल की लड़की को तब पकड़ा, जब वह एलओसी पार करके राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में आ गई थी। लाम सेक्टर में तैनात सेना के जवानों ने

रूटीन निगरानी के दौरान एलओसी के पास संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद जवानों ने लड़की को रोका और शुरुआती पूछताछ के लिए हिरासत में ले लिया। पकड़ी गई नाबालिग की पहचान पीओजेके के खुइरेटा निवासी मोहम्मद अजीम की बेटी एस. अजीम के तौर पर हुई है। शुरुआती पूछताछ के बाद, सेना के जवानों ने उसे आगे की जांच के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया। अभी नौशेरा पुलिस उससे पूछताछ कर रही है।शुरुआती पूछताछ के दौरान, लड़की ने कहा कि वह अनजाने में एलओसी पार करके भारतीय इलाके में आ गई थी। अधिकारी घटना से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगाने के लिए जांच कर रहे हैं। आगे की जानकारी का इंतजार है। जम्मू-कश्मीर में जो लोग अनजाने में एलओसी पार कर जाते हैं, उन्हें अक्सर भारतीय सेना पकड़ लेती है। पहचान और बैकग्राउंड की जांच के लिए उन्हें स्थानीय पुलिस को सौंपा जाता है और जांच में यह पुष्टि होने के बाद कि वे गलती से आए थे, उन्हें निर्धारित क्रासिंग पॉइंट के जरिए पाकिस्तान वापस भेज दिया जाता है।

राज्यस्तरीय गौ-पालक सम्मेलन

पशुधन और दुग्ध उत्पादन से आएगी गौपालकों के घरों में समृद्धि : केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री शाह

केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने राज्यस्तरीय गौपालक सम्मेलन में 100 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन एवं लोकार्पण



भोपाल (ए.)। केंद्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि पशुधन (लाईव स्टॉक) और दुग्ध उत्पादन देश के किसानों और गौवंश पालकों की समृद्धि का प्रमुख आधार है। पशुधन जितना होगा, उतनी ही होगी समृद्धि। देश के किसानों और पशुपालकों की आर्थिक समृद्धि ही हमारा लक्ष्य है। पशुधन से दुग्ध उत्पादन और दुग्ध उत्पादन से ही गौपालकों के घर समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि दुग्ध उत्पादन किसानों और पशुपालकों की आय का बड़ा जरिया है। केंद्र सरकार देश में दुग्ध उत्पादन तेजी से बढ़ाने के लिए पशुपालकों को कई प्रकार की सहायता भी उपलब्ध करा रही है। सहकारिता मंत्री श्री शाह ने कहा कि भोपाल में हुआ यह विशाल गौपालक सम्मेलन मध्यप्रदेश में हो रही श्वेत क्रांति का एक शुभ संकेत है।

सहकारिता मंत्री श्री शाह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव स्वयं एक गौपालक हैं, उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश पूरे देश में दुग्धोत्पादन क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय मंत्री श्री शाह ने प्रदेश के सभी गौपालकों से मंत्र में प्रतिदिन 50 लाख लीटर दूध उत्पादन का बड़ा लक्ष्य लेकर चलने की अपील करते हुए कहा कि सब मिल-जुलकर एक साथ आगे बढ़ेंगे, तभी यह लक्ष्य हासिल होगा। मंत्री श्री शाह शनिवार को भेल दशहरा मैदान में आयोजित विशाल राज्य स्तरीय गौ-पालक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। सहकार से समृद्धि की थीम पर केंद्रित राज्य स्तरीय सम्मेलन में केंद्रीय सहकारिता मंत्री श्री शाह ने उज्जैन में 255 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले 3 लाख लीटर प्रतिदिन क्षमता वाले मिल्क प्रोसेसिंग प्लांट का डिजिटल



भूमि-पूजन किया। उन्होंने भोपाल में 16.50 करोड़ रुपये की लागत से नव निर्मित 40 हजार लीटर प्रतिदिन क्षमता के फर्मेंटेड प्रोडक्ट डेयरी प्लांट, भोपाल में ही 12.42 करोड़ रुपये से नव निर्मित राज्य स्तरीय केंद्रीय गुणवत्ता प्रयोगशाला तथा शिवपुरी जिले में 6.50 करोड़ रुपये की लागत से मिनी डेयरी प्लांट के सुदृढ़ीकरण कार्य का भी लोकार्पण किया।

केंद्रीय मंत्री ने सम्मेलन में भोपाल एवं इंदौर दुग्ध संघों से जुड़े पशुपालक सदस्यों को 15.10 करोड़ रुपये की लाभांश (बोनस) राशि तथा प्रदेश की गौशालाओं को गौवंश के संरक्षण एवं आहार आदि के लिए 88 करोड़ रुपये की सहायता राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की। केंद्रीय गृह मंत्री श्री शाह ने मंच से 5 गौपालक दीदियों और

सर्वश्रेष्ठ दुग्ध उत्पादन करने वाली समिति के सदस्यों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही 2 पशुपालकों को राज्य सरकार की डॉ. भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना के हितग्राहियों की स्वीकृति आशय-पत्र भी प्रदान किए।भोपाल में मोरवन प्रोजेक्ट के तहत नगर वन विकसित करने कृभको एवं म.प्र. बायोडायवर्सिटी बोर्ड के मध्य समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर कर परस्पर आदान-प्रदान किया गया। इसका उद्देश्य भोपाल में हरित क्षेत्र का विस्तार करने के साथ जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन और नागरिकों के लिए बेहतर प्राकृतिक वातावरण विकसित करना है। नगर वन के विकास से स्थानीय जैव विविधता को संरक्षण मिलेगा तथा शहर में हरित आवरण को बढ़ावा मिलेगा।



सिगरेट पीने माचिस जलाई, LPG सिलेंडर में ब्लास्टगैस एजेसी का कर्मचारी 70% झुलसा; कमरे की दीवार गिरी, खिड़की-दरवाजे टूटे

उज्जैन (आरएनएस) । उज्जैन के कानिपुरा स्थित तिरुपति धाम कॉलोनी में शनिवार सुबह हादसा हो गया। किराए के कमरे में अचानक हुए गैस सिलेंडर ब्लास्ट में 24 वर्षीय युवक 70 प्रतिशत तक झुलस गया। धमाका इतना तेज था कि मकान के कमरे की एक तरफ की दीवार क्षतिग्रस्त होकर नीचे गिर गई। झुलसे युवक की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे इंदौर रेफर कर दिया है।

रातभर गैस सिलेंडर से लीकेज होने की आशंका

जानकारी के अनुसार, कमरे में रातभर से एलपीजी गैस सिलेंडर से लीकेज हो रहा था, जिससे पूरे कमरे में गैस भर गई थी। सुबह जैसे ही संदीप ने सिगरेट सुलगाने के लिए माचिस की तीली जलाई। हवा में फैली गैस ने तुरंत आग पकड़ ली और भयानक धमाका हो गया। धमाके के साथ ही संदीप आग की चपेट में आ गया।

अवैध खनन व परिवहन पर प्रशासन की सख्ती, रेत-मु्रम से भरे 9 वाहन ज़ब्त

ग्वालियर,(आरएनएस) । मध्य प्रदेश के ग्वालियर जिले में अवैध खनिज के कारोबारियों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कार्यवाही की है। प्रभारी खनिज अधिकारी पंकज ध्वज मिश्रा के मार्गदर्शन में खनिज विभाग



की टीम ने शनिवार को शहर के अलग-अलग इलाकों में ताबड़तोड़ छापामार कार्रवाई की। इस दौरान रेत, मु्रम और डस्ट के अवैध परिवहन में लगे कुल 9 वाहनों को ज़ब्त किया गया है।

प्रभारी खनिज अधिकारी

मिश्रा ने बताया कि जांच अभियान के तहत खनिज अमले ने विक्की फैक्ट्री एवं हुरावली क्षेत्र में दबिश देकर अवैध रेत परिवहन और भंडारण की पड़ताल की। मौके पर अवैध रेत से भरी 6 ट्रैक्टर-ट्रॉलियां पकड़ी गईं, जिन्हें तत्काल ज्व्त कर संबंधित थाने की अभिरक्षा में खड़ा कराया गया। इसी तरह विक्रमपुर क्षेत्र में दबिश देकर मु्रम का अवैध खनन व परिवहन करते हुए एक डंबर और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को ज्व्त किया गया। इसके अलावा टीम ने गत दिवस कार्रवाई करते हुए बिजौली थाना क्षेत्र से अवैध डस्ट का परिवहन कर रहे एक 22 चक्का भारी ट्रौले को पकड़कर थाने की सुपुर्दी में दिया था। उन्होंने बताया कि खनिज विभाग द्वारा पकड़े गए सभी 9 वाहनों के विरुद्ध मध्य प्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई प्रस्तावित की गई है।



धमाके की आवाज से आसपास के लोग सहमे

संदीप के साथ कमरे में उसका साथी देवीलाल भी रहता था। गनीमत रही कि हादसे के समय देवीलाल बाथरूम के

सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम में राज्यमंत्री ने कोठी में किया स्वच्छता सेवा में श्रमदान

सतना (आरएनएस) । सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम के तहत नगरीय विकास एवं आवास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी ने सतना जिले में रैगांव विधानसभा क्षेत्र के नगर परिषद कोठी में स्वच्छता श्रमदान किया। उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं बस स्टैंड परिसर में स्वच्छता अभियान में सहभागिता करते हुए स्वच्छता का संदेश दिया। इस मौके पर उन्होंने स्वच्छता कर्मियों को सम्मानित भी किया। इस अवसर पर राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने अमर शहीद ठाकुर रणमत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। उन्होंने कहा कि स्वच्छता सामूहिक जिम्मेदारी है और जनभागीदारी से स्वच्छ एवं सुंदर नगर का निर्माण संभव है। इस मौके पर स्वच्छता सेवा कर्मियों को सम्मानित किया गया।

बीजेपी सांसद ने ‘हम दो, हमारे पांच’ का दिया नारा, बोले- ‘हर हिंदू को कम से कम 5 बच्चे पैदा करने चाहिए’



बड़वानी (आरएनएस), । खरगोन-बड़वानी के सांसद और भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव गजेंद्र पटेल ने एक कार्यक्रम में ‘हम दो, हमारे पांच’ का नारा दिया। बड़वानी में उन्होंने कहा कि हर हिंदू को कम से कम 5 बच्चे पैदा करने चाहिए। सांसद ने कहा कि हिंदुओं को शास्त्र के ज्ञान के साथ ही शस्त्र उठाते आना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया था कि सनातन संस्कृति में भी जहां एक तरफ देवी-देवता आशीर्वाद देते हैं, वहीं दूसरी तरफ उनके हाथों में शस्त्र भी होते हैं [जानकारी के मुताबिक, बड़वानी जिला मुख्यालय के कालिका माता मंदिर में नवरात्रि

त्यापार समाचार

रायलसीमा को बदलने के लिए बागवानी केंद्र : सीएम नायडू

मदनपल्ले (आरएनएस)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को घोषणा की कि 1 लाख करोड़ रुपए के निवेश से विकसित किए जाने वाले वैश्विक बागवानी केंद्र के माध्यम से रायलसीमा सूखे की भूमि से समृद्धि की भूमि में परिवर्तित हो जाएगी।

उन्होंने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ मिलकर अन्नामय्या जिले के मदनपल्ले में ग्लोबल हॉर्टिकल्चर हब और इंडियन स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर की आधारशिला रखी।

उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण और मानव संसाधन विकास मंत्री नारा लोकेश ने भी इस कार्यक्रम को संबोधित किया। ग्लोबल हॉर्टिकल्चर हब परियोजना को तीन चरणों में लागू किया जाएगा, जिसमें अनुमानित 1 लाख करोड़ रुपए का निवेश होगा। इसमें से केंद्र सरकार 40,352 करोड़ रुपए का योगदान देगी, जबकि निजी क्षेत्र से 60,000 करोड़ रुपए का निवेश जुटाने के प्रयास किए जाएंगे।

अधिकारियों के मुताबिक, यह परियोजना अनंतपुर, अन्नामय्या, चित्तूर, कुन्नूल, नंद्याल, श्री सत्य साई, तिरुपति, कडप्पा, प्रकाशम और मार्कारपुरम जिलों को कवर करेगी। इन 10 जिलों में फैले 303 मंडलों और 5,869 गांवों में स्थित 201 क्लस्टरों के माध्यम से विकास कार्य किए जाएंगे। सरकार की योजना बागवानी की खेती के मौजूदा 8.41 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को 6 लाख हेक्टेयर और बढ़ाकर कुल 14.41 लाख हेक्टेयर करने की है।

इस परियोजना का उद्देश्य बागवानी उत्पादन को वर्तमान 222 लाख टन से बढ़ाकर 435 लाख टन करना है, जिससे 9.6 लाख किसानों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इस पहल के तहत, 9 लाख एकड़ का अतिरिक्त अय्याकट बनाया जाएगा, जबकि 4.3 लाख एकड़ में सिंचाई सुविधाओं को स्थिर किया जाएगा।

जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि सरकार रायलसीमा के किसानों की किस्मत बदलने के अपने वादे को पूरा कर रही है और सूखाग्रस्त क्षेत्र को समृद्धि की भूमि में बदल रही है। उन्होंने कहा कि रायलसीमा के किसान अब सेब और स्ट्रॉबेरी से लेकर केले, एवोकाडो, कीवी और खजूर तक सब कुछ उगा सकते हैं, और उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि ग्लोबल हॉर्टिकल्चर हब के साथ, रायलसीमा एक वैश्विक फलों के कटोरे के रूप में उभरेगा।

पुणे : महाराष्ट्र एफडीए की कार्रवाई, सिप्ला के वेयरहाउस का लाइसेंस रद्द

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने पुणे के वाडकी में स्थित सिप्ला फार्मा एंड लाइफ साइंसेज लिमिटेड के कैरोईंग एंड फॉरवर्डिंग (सीएंडएफ) वेयरहाउस के दवाओं की बिक्की और वितरण से जुड़े लाइसेंस रद्द कर दिए हैं। एफडीए ने दवाओं की पैकेजिंग, स्टोरेज, स्टॉक प्रबंधन और दस्तावेजों से जुड़ी कई कथित खामियों का हवाला देते हुए यह कार्रवाई की है।

पुणे के डिवीजन-3 के सहायक आयुक्त (ड्रग्स) ने बॉम्बे हाई कोर्ट के निर्देशों के अनुसार मामले को दोबारा समीक्षा करने के बाद 1 अक्टूबर को लाइसेंस रद्द करने का आदेश जारी किया।

इससे पहले 27 अगस्त को वेयरहाउस के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई थी, लेकिन बाद में उसे वापस लेकर संशोधित प्रक्रिया के तहत मामले पर दोबारा विचार किया गया।एफडीए के अनुसार, पहले की कार्रवाई में शेडयूल-एच की प्रिक्लिथान दवा ‘रिएक्टिन प्लस टेबलेट्स’ की पैकेजिंग और प्रचार को लेकर सवाल उठाए गए थे।एफडीए ने आरोप लगाया कि दवा की पैकेजिंग पर ऐसे दावे किए गए थे, जिनकी अनुमति नहीं थी। इसके अलावा वेयरहाउस में दवाओं के स्टोरेज, रिकॉर्ड रखने और एक्सपायर हो चुकी दवाओं को संभालने की प्रक्रिया में भी कई कथित कमियां गई गई थीं।

नई दिल्ली (आरएनएस),। अक्टूबर महीने की शुरुआत आम लोगों के लिए महंगाई का नया झटका लेकर आई है। त्योहारों के सीजन में जहां उपभोक्ता खरीदारी की तैयारी कर रहे हैं, वहीं कई महत्वपूर्ण वस्तुओं और सेवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर, एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ), घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और पासपोर्ट सेवाओं की लागत बढ़ने से होटल कारोबार, हवाई यात्रा और घरेलू उपभोक्ताओं पर इसका सीधा असर पड़ सकता है।

सरकारी तेल वितरण कंपनियों ने 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 62.50 रुपए तक की बढ़ोतरी की है। इसके बाद राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कमर्शियल सिलेंडर की कीमत बढ़कर 2,810 रुपए हो गई है, जबकि मुंबई में इसकी कीमत 2,764 रुपए पहुंच गई है। घटना में सबसे अधिक 71.50 रुपए की वृद्धि दर्ज की गई है।

भारत और नीदरलैंड्स कृषि साझेदारी का करेंगे विस्तार; कृषि तकनीक, बागवानी और बीज क्षेत्र में बढ़ाएंगे सहयोग का दायरा : शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली (आरएनएस),। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि भारत और नीदरलैंड्स ने कृषि क्षेत्र में अपनी साझेदारी को और मजबूत करने पर सहमति जताई है। दोनों देश कृषि नवाचार, बागवानी और बीज क्षेत्र जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग का दायरा बढ़ाएंगे, जिससे तकनीक-आधारित खेती और कृषि उत्पादकता को नई गति मिलेगी।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार, नीदरलैंड्स के कृषि मंत्री सिल्वियो एरकेंस के साथ हुई द्विपक्षीय बैठक में दोनों देशों के बीच चल रहे सहयोग की समीक्षा की गई और भविष्य की साझेदारी के नए अवसरों पर चर्चा हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य तकनीक, नवाचार और ज्ञान साझाकरण के माध्यम से कृषि उत्पादकता को बेहतर बनाना था।

चर्चा के दौरान भारत-नीदरलैंड्स साझेदारी के तहत कृषि और बागवानी क्षेत्रों में स्थापित 25 उत्कृष्टता केंद्रों की प्रगति की भी समीक्षा की गई। इन केंद्रों ने कई भारतीय राज्यों में आधुनिक कृषि तकनीकों, संरक्षित खेती और उन्नत बागवानी पद्धतियों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

शिवराज सिंह चौहान और सिल्वियो एरकेंस ने बीज क्षेत्र में सहयोग की संभावनाओं पर भी विस्तार से चर्चा की। दोनों पक्षों ने इस दिशा में एक समर्पित कार्ययोजना तैयार करने पर सहमति व्यक्त की। प्रस्तावित ढांचा प्राथमिक क्षेत्रों की



इस बढ़ोतरी का सीधा असर होटल, रेस्तरां, ढाबा और कैटरिंग उद्योग पर पड़ने की संभावना है। त्योहारों और शादी-विवाह के सीजन में खाद्य सेवाओं की बढ़ती मांग के बीच व्यवसायियों की लागत बढ़ेगी, जिसका असर उपभोक्ताओं तक पहुंच सकता है।

भारत और नीदरलैंड्स कृषि साझेदारी का करेंगे विस्तार; कृषि तकनीक, बागवानी और बीज क्षेत्र में बढ़ाएंगे सहयोग का दायरा : शिवराज सिंह चौहान

पहचान करेगा और संयुक्त पहलों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए रोडमैप तैयार करेगा।

बैठक में कृषि नवाचार को भी प्रमुख प्राथमिकता के रूप में रेखांकित किया गया। दोनों देशों ने कृषि अनुसंधान, नई तकनीकों को अपनाने और नवाचार आधारित खेती के क्षेत्र में हुई प्रगति पर विचार साझा किए। भारत और नीदरलैंड्स दोनों कृषि प्रौद्योगिकी और आधुनिक खेती के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल कर चुके हैं।

दोनों देशों ने इस बात पर जोर दिया कि टिकाऊ और तकनीक-आधारित कृषि विकास को बढ़ावा देने के लिए विशेषज्ञता और सर्वोत्तम प्रथाओं का आदान-प्रदान आवश्यक है। इससे किसानों की उत्पादकता बढ़ाने, संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करने और कृषि क्षेत्र को भविष्य की चुनौतियों के लिए अधिक सक्षम बनाने में मदद मिलेगी।नीदरलैंड्स के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कृषि, मत्स्य पालन, खाद्य सुरक्षा एवं प्रकृति मंत्री सिल्वियो एरकेंस ने किया। प्रतिनिधिमंडल में महानिदेशक मार्टेन वान डेन बर्ग, भारत में नीदरलैंड्स का राजदूत मारिसा जेराईस और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे।

भारतीय पक्ष का प्रतिनिधित्व कृषि सचिव अतिश चंद्र, डीएआरई सचिव एम.एल. जाट तथा कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने किया।

अपर मुख्य सचिव पीएचई ने किया जल जीवन मिशन की योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण

बैतूल (आरएनएस) । मध्य प्रदेश शासन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव सचिन सिन्हा ने शनिवार को बैतूल जिले के प्रवास के दौरान जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न ग्रामीण पेयजल योजनाओं का सघन स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने विकासखंड चिचोली में आयोजित जन विश्वास शिविर का भी अवलोकन कर विभागीय योजनाओं एवं जल गुणवत्ता परीक्षण की स्थिति का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में नियमित एवं पर्याप्त पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के साथ ही योजनाओं के बेहतर संचालन-संधारण पर विशेष जोर दिया। अपर मुख्य सचिव ने ग्राम बांसपानी पहुंचकर आईओटी आधारित स्वचालित एकल ग्राम नल-जल प्रदाय योजना की कार्यप्रणाली का तकनीकी मुआयना किया।

पानी, बिजली, सड़कें और आवास के साथ मुफ्त इलाज और बेहतर शिक्षा देना सरकार की जिम्मेदारी : उर्जा मंत्री श्री तोमर

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने जनसुनवाई में किया समस्याओं का यथोचित समाधान

ग्वालियर (आरएनएस) । जन-जन का कल्याण ही केन्द्र और राज्य सरकार का मुख्य उद्देश्य और प्राथमिक जिम्मेदारी है कि सरकार समाज के हर वर्ग, विशेषकर गरीब, वंचित और जरूरतमंद लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए काम कर रही है। यह बात ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को रेसकोर्स रोड स्थित अपने सरकारी कार्यालय पर जनसुनवाई करते हुए कही। जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, नगर निगम प्रशासन, विद्युत वितरण कंपनी, महिला बाल विकास विभाग, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

इस दौरान ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जन सुनवाई में अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे हर आवेदक से एक-एक कर बात कर उनकी समस्या सुनकर यथोचित समाधान किया। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के साथ ही केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की सोच हर जरूरतमंद को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने की है। इसी सोच को धरातल पर उतारने के लिए सरकार निरंतर कटिबद्ध है।

के बाद होने वाले भंडारे को लेकर शुक्रवार रात एक बैठक हुई। इसमें खरगोन-बड़वानी सांसद गजेंद्र सिंह पटेल, कांग्रेस विधायक राजन मंडलोई और पूर्व मंत्री प्रेमसिंह पटेल सहित कई नेता और ग्रामीण शामिल हुए। बैठक के दौरान सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने हिंदुओं को एकजुट रहने की सलाह दी। उन्होंने 'हम दो, हमारे पांच' का नारा देते हुए कहा कि हर हिंदू को कम से कम पांच बच्चे पैदा करने चाहिए। सांसद पटेल ने कहा कि जनसंख्या नियंत्रण में संतुलन नहीं रहा, तो भारत में हिंदू अल्पसंख्यक हो जाएंगे। उन्होंने बताया कि हिंदुओं की जन्म दर 1.9 है, जबकि अन्य समाज की 2.9 है। चार बच्चों में से एक हिंदू और तीन अन्य समाज के होते हैं। उन्होंने युवाओं से समय पर शादी करने और पांच बच्चे पैदा करने का आग्रह किया। सांसद ने कहा कि देश की रक्षा के लिए हिंदू समाज को अपनी जनसंख्या बढ़ाने की चिंता करनी चाहिए।

जिम की बजाय घर पर योग करने की सलाह

मध्य प्रदेश के सीनियर बीजेपी नेता गजेंद्र पटेल ने कहा कि मैं चाहता हूं कि आप सब लोग माता की भक्ति के साथ ही अपने परिवार की शक्ति को एकत्रित करें। अपने मोहल्ले की शक्ति को एकत्रित करें। हम ही हमारे परिवार और मोहल्ले के रक्षक हैं। उन्होंने बैठक में सलाह देते हुए कहा जिम नहीं जाना चाहिए। जिम जाने की बजाय घर पर ही योग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि अखाड़े में जाना चाहिए। जिम ज्यादा हो रहे हैं। अखाड़े खत्म हो रहे। अखाड़े बढ़ाओ। जिम में सिर्फ बाडी बन रही है। लड़ने कि क्षमता नहीं बढ़ रही है। सांसद ने कहा कि जब इस देश पर परिस्थितियां बदलेगी, तब सनातनी ही एक दूसरे के काम आएगा। कांग्रेस और बीजेपी आगे नहीं आएगी।

अक्टूबर की शुरुआत के साथ बढ़ा महंगाई का असर, जानिए आपकी जेब पर कितना पड़ेगा बोझ

इसके अलावा, अक्टूबर से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में भी बढ़ोतरी की गई है। तेल कंपनियों ने हवाई ईंधन की कीमत में प्रति लीटर 16 रुपए तक का इजाफा किया है।

विमानन उद्योग में ईंधन कुल परिचालन लागत का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा होता है। ऐसे में एटीएफ महंगा होने से एयरलाइंस पर अतिरिक्त वित्तीय दबाव बढ़ेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि दशहरा, दीपावली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग के बीच एयरलाइंस किराए में बढ़ोतरी कर सकती हैं। इसका मतलब है कि आने वाले दिनों में हवाई सफर पहले के मुकाबले और महंगा पड़ सकता है।

वहीं, त्योहारी खरीदारी की तैयारी कर रहे उपभोक्ताओं के लिए एक और झटका घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की बढ़ती कीमतों के रूप में सामने आया है। वैश्विक बाजार में कॉपर, स्टील और एल्युमिनियम जैसे कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के

क्रिप्टोकರೆसी को लेकर RBI सतर्क, RBI गवर्नर बोले- मॉनेटरी पॉलिसी डोमेस्टिक ग्रोथ और महंगाई की स्थिति पर केंद्रित



नई दिल्ली (आरएनएस),। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शनिवार को कहा कि भारत ने क्रिप्टोकರೆसी को लेकर सतर्क रख अपनाया है। इसके साथ ही, इससे जुड़ी डिस्ट्र्यूटेड लेजर टेकनोलॉजी और टोकन सिस्टम जैसी टेकनोलॉजी को बढ़ावा दिया जा रहा है। गवर्नर ने कहा कि भारत क्रिप्टो एसेट्स से जुड़ी टेकनोलॉजी में इन्वेषन को सपोर्ट करता है। इनमें डिस्ट्र्यूटेड लेजर टेकनोलॉजी यानी विकेंद्रीकृत डिजिटल बहीखाता तकनीक और टोकन सिस्टम शामिल हैं। लेकिन मौद्रिक संप्रभुता, मौद्रिक नीति और पूंजी प्रवाह से जुड़ी चिंताओं के कारण क्रिप्टोकರೆसी को लेकर सतर्क है। विकेंद्रीकृत डिजिटल बहीखाता तकनीक ऐसा डिजिटल सिस्टम है, जिसमें लेनदेन या अन्य रिकॉर्ड एक ही जगह रखने के बजाय विकेंद्रीकृत होता है। यानी, नेटवर्क में कई कंप्यूटर के बीच शेयर किया जाता है। वहीं,

टोकन सिस्टम वो प्रक्रिया है जिसके द्वारा किसी वास्तविक संपत्ति के स्वामित्व या संवेदनशील आंकड़ा (जैसे क्रेडिट/डेबिट कार्ड नंबर) को एक सुरक्षित डिजिटल कोड या टोकन में बदला जाता है।

बुनियादी टेक्नोलॉजी पर जोर
गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, हमारा दृष्टिकोण बुनियादी टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने का रहा है और हम इनमें से कुछ का इस्तेमाल केंद्रीय बैंक के भीतर और सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के तहत बाहरी स्तर पर कर रहे हैं। लेकिन जहां तक क्रिप्टो का सवाल है, हमने सतर्क रख अपनाया है। भारत समेत कई देशों में घरेलू भुगतान अब काफी तेज, सस्ता और सुविधाजनकक्रिप्टोकರೆसी से जुड़ी चिंताओं का उल्लेख करते हुए आरबीआई गवर्नर ने कहा कि ये मुद्रा की एकरूपता यानी पैसे का एक समान मूल्य और मौद्रिक नीति पर इसके संभावित प्रभावों से जुड़ा है। इसका असर खासतौर से उन उभरती अर्थव्यवस्थाओं पर पड़ सकता है, जहां पूंजी प्रवाह पर प्रतिबंध हैं। उन्होंने कहा, जिस समस्या को हल करने की कोशिश की जा रही है, वो मुख्य रूप से घरेलू भुगतान से जुड़ी नहीं है, क्योंकि हमारे देश और कई अन्य देशों में घरेलू भुगतान अब काफी तेज, सस्ता और सुविधाजनक हैं।



भारत के लिए नई चुनौती

भारतीय सोलार सेल और पैनलों पर 123.04 प्रतिशत की एंटी-डॉपिंग और 126.09 प्रतिशत काउंटरवेलिंग ड्यूटी लगाने का प्रस्ताव अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार आयोग को भेजा गया है, जो इस पर 14 अक्टूबर को फैसला करेगा। भारतीय कारोबार पर अमेरिका फिर बड़ा प्रहार करने जा रहा है। वहां के वाणिज्य विभाग ने भारत, इंडोनेशिया, और लाओस से सोलार सेल और सोलर पैनल के आयात पर भारी शुल्क लगाने की योजना को अंतिम रूप दे दिया है। उसका आरोप है कि अनुचित सरकारी सब्सिडी का लाभ उठा कर इन देशों की कंपनियों ने सस्ते उत्पाद बनाए, जिन्हें अमेरिकी बाजार में थोक भाव में उतारा गया। इन तीनों देशों में सबसे ज्यादा शुल्क भारत से होने वाले आयात पर लगाने का इरादा जताया गया है। भारतीय सोलार सेल और पैनलों पर 123.04 प्रतिशत की एंटी-डॉपिंग ड्यूटी और 126.09 प्रतिशत प्रतिपूरक (काउंटरवेलिंग) शुल्क लगाने का प्रस्ताव अमेरिका के अंतरराष्ट्रीय व्यापार आयोग को भेजा गया है, जो इस पर 14 अक्टूबर को फैसला करेगा।

उसने प्रस्ताव स्वीकार कर लिए, तो भारतीय कंपनियों के लिए अमेरिकी बाजार में अपने उत्पाद बेचना बेहद मुश्किल हो जाएगा। इसकी बहुत गहरी मार भारतीय सौर उद्योग पर पड़ेगी। फिलहाल, भारत के सौर मॉड्यूल निर्यात का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा अमेरिका जाता है। जब से अमेरिका ने चीनी उत्पादों पर भारी टैरिफ लगाए, उससे खाली हुई जगह को भारत और कुछ दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों ने भरा। यानी अमेरिकी सौर उद्योग को उसका लाभ नहीं मिला। इसीलिए अमेरिकी सौर कारोबारियों के संगठन इसके खिलाफ लॉबींग में जुटे रहे हैं। उन्होंने यह प्रचार कर अपने पक्ष में माहौल बनाया कि चीनी पाट-पुर्जों का भारत और अन्य देशों में असेंबल होकर अमेरिका पहुंचना जारी है।

अब उन्हें सफलता मिलती दिख रही है। यह भारत के लिए नई चुनौती है। भारत को इस पर दृढ़ रख अपनाना चाहिए। एक तरफ भारत तो डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के दबाव में अमेरिकी उत्पादों की खरीदारी बढ़ा रहा है, वहीं भारतीय उत्पादों की अमेरिकी बाजार में पहुंच काटता होती जा रही है। अतः नरेंद्र मोदी सरकार को यह स्पष्ट कर देना चाहिए कि ऐसी गैर-व्यापार रुकावटें भारत को मंजूर नहीं हैं। ऐसी रुकावटों के रहते अमेरिका से प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। सिर्फ ऐसे सख्त रख से ही भारत अपने सौर एवं अन्य उद्योगों के हित को रक्षा कर सकता है।

सेवा संकल्प अभियान

सेवा की कहानी: खेती की तैयारी में महेंद्र को मिल रहा संबल, सम्मान निधि से खाद-बीज की व्यवस्था हुई आसान
बकालो भाटापारा के किसान महेंद्र कुमार प्रजापति को पीएम-किसान सम्मान निधि से सालाना मिल रहे 6 हजार रुपए
खेती के जरूरी आदानों की खरीदी में मिल रही मदद, किसान ने कहा-खाद और बीज लेने में होती है सुविधा
खेती में बेहतर उत्पादन के लिए समय पर खाद और बीज की उपलब्धता किसान के लिए महत्वपूर्ण होती है। अम्बिकापुर विकासखंड के ग्राम पंचायत बकालो भाटापारा के किसान महेंद्र कुमार प्रजापति के लिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना से मिलने वाली आर्थिक सहायता खेती की इन्हीं जरूरतों को पूरा करने में मददगार बन रही है। योजना से उन्हें सालाना मिलने वाले 6 हजार रुपए का उपयोग खाद और बीज की खरीदी में हो रहा है।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत पात्र किसान परिवारों को प्रतिवर्ष 6 हजार रुपए की आर्थिक सहायता सीधे बैंक खाते में दी जाती है। यह राशि तीन समान किस्तों में प्रदान की जाती है। योजना का उद्देश्य किसानों की कृषि संबंधी आदानों सहित वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने में सहयोग करना है।
खेती के खर्च में योजना से मिल रही राहत
महेंद्र कुमार प्रजापति बताते हैं कि खेती के समय खाद और बीज की व्यवस्था के लिए राशि की जरूरत पड़ती है। पीएम-किसान सम्मान निधि से मिलने वाली सहायता से इन आवश्यक कृषि सामग्रियों की खरीदी में उन्हें सुविधा होती है। इससे खेती की तैयारी के समय आवश्यक संसाधन जुटाने में आर्थिक सहयोग मिल जाता है।

महेंद्र कहते हैं, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के साल में जो 6 हजार रुपए मिलते हैं, उससे हम लोगों को खाद और बीज लेने में बहुत सुविधा हो जाती है। यह राशि खेती के काम में हमारे लिए मददगार है।
किसान के खाते तक सीधे पहुंच रही सहायता
पीएम-किसान सम्मान निधि के अंतर्गत पात्र किसानों को सहायता राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से बैंक खाते में उपलब्ध कराई जाती है। महेंद्र के लिए यह सहायता खेती की जरूरतों, विशेषकर खाद और बीज की व्यवस्था में उपयोगी साबित हो रही है।

रुढ़ियों को धूल चटाकर स्वर्ण छीनने वाली..

प्रो. आरके जैन अरिजीत

नागोया में भारतीय बेटियों ने स्वर्णिम सफलताओं से ऐसा इतिहास रचा, जिसकी गूँज पदकों की खनक से कहीं आगे तक सुनाई देती है। हॉकी के मैदान पर निर्णायक गोल, शूटिंग रेंज में अचूक निशाना और गोल्फ कोर्स पर असाधारण कौशल ने एशियाई खेलों में भारत की महिला शक्ति का नया अध्याय खोल दिया। लालरेमसियामी, नीरू धांदा और प्रणवी उर्स की उपलब्धियां महज खेल विजय नहीं, बल्कि उन सपनों की शानदार परिणति हैं, जो सामाजिक रूढ़ियों और अवसरों के अभाव के बीच भी पलते रहे। इन बेटियों ने अपने दमखम, दृढ़ संकल्प और बेजोड़ प्रतिभा से साबित कर दिया कि भारतीय महिलाएं अब केवल संभावनाओं की प्रतीक नहीं, बल्कि हर चुनौती को भेदकर इतिहास रचने वाली शक्ति हैं।

चार दशक से अधिक की कसक को भारतीय महिला हॉकी टीम ने चीन के खिलाफ ऐतिहासिक गोल से स्वर्णिम विजय में बदल दिया। एशियन गेम्स के फाइनल में 1-0 की जीत के साथ भारत ने 1982 के बाद पहली बार हॉकी का स्वर्ण हासिल किया। दसवें मिनट में लालरेमसियामी के टॉमहॉक शॉट ने चीन की रक्षापंक्ति को भेदकर भारत को निर्णायक बढ़त दिलाई। इसके बाद चीन ने बराबरी के लिए पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन गोलकीपर सविता पूनिया की शानदार सेव्स और रक्षापंक्ति की मुस्तेदी ने उसके हर वार को नाकाम कर दिया। भारतीय खिलाड़ियों का अनुशासन, तालमेल और आखिरी दम तक संघर्ष इस जीत की असली



[स्वर्णिम चमक के पीछे संघर्ष की अनकही दास्तान]
[पदक नहीं, नई पहचान गढ़ी नागोया में भारतीय बेटियों ने]

ताकत बना। इस कामयाबी ने 44 वर्षों का इंतजार खत्म करने के साथ भारत के लिए 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक का सीधा टिकट भी पक्का कर दिया।

नीरू धांदा ने ट्रैप शूटिंग में स्वर्ण जीतकर भारतीय खेल इतिहास में नया कीर्तिमान रच दिया। एशियन गेम्स की व्यक्तिगत स्पर्धा में स्वर्ण हासिल करने वाली वे पहली भारतीय महिला बनीं। अदृष्ट एकाग्रता, मानसिक दृढ़ता और अचूक निशाने के दम पर उन्होंने वर्षों की साधना को ऐतिहासिक सफलता में बदला। शूटिंग में जरा-सी चूक भी जीत छीन सकती है, लेकिन नीरू ने साबित किया कि लक्ष्य पर नजर के साथ मन पर नियंत्रण भी जरूरी है। उनकी उपलब्धि गांवों और छोटे शहरों में सीमित संसाधनों के बीच बड़े सपने देखने वाली हजारों लड़कियों के लिए प्रेरणा है। उन्होंने दिखाया कि दृढ़ संकल्प और अवसर से कठिन से कठिन लक्ष्य भी हासिल किया जा सकता है।गोल्फ के मैदान पर प्रणवी उर्स ने अपने धैर्य, कौशल और एकाग्रता से भारतीय खेल इतिहास में स्वर्णिम अध्याय जोड़ दिया। एशियन गेम्स की व्यक्तिगत स्ट्रोक प्ले स्पर्धा में स्वर्ण जीतकर वे यह उपलब्धि हासिल करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। हर शॉट में तकनीक, परिस्थितियों के आकलन और रणनीति की कसौटी पर खरी उतरते हुए प्रणवी ने प्रतिद्वंद्वियों को पीछे छोड़ दिया। उनके प्रदर्शन ने साबित किया कि गोल्फ में ताकत से अधिक सूझबूझ, धैर्य और आत्मसंयम मायने रखते हैं। उनकी जीत ने इस धारणा को भी तोड़ा कि गोल्फ कुछ खास वर्गों तक सीमित खेल है। प्रणवी की यह उपलब्धि उन युवतियों के लिए नई राह है, जो गोल्फ में अपना भविष्य तलाश रही हैं। स्वर्णिम सफलताओं की यह लहर तीरंदाजी से मुक्केबाजी तक पहुंची।

आयुष्मान योजना के नाम पर छत्तीसगढ़ में इलाज का धंधा उजागर

डॉ. चन्द्र सोनाने
केन्द्र सरकार की गरीबों के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की जा रही है। उसमें एक प्रमुख योजना है आयुष्मान योजना। इस योजना में गरीबों को इलाज के लिए भटकना नहीं पड़ता। बल्कि, सरकारी और निजी अस्पतालों में आयुष्मान योजना के कार्ड पर उसका 5 लाख रुपए तक का मुफ्त इलाज किया जाता है। यह सुविधा प्रति परिवार प्रति वर्ष के लिए है। गरीबों के लिए यह योजना एक वरदान है। किन्तु जब इसके नाम पर ही लोग धंधा करने लगे तो योजना को पलिता लग जाता है। छत्तीसगढ़ में आयुष्मान योजना के संबंध में लगातार आ रही शिकायतों के बाद राज्य सरकार ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया। इस निर्णय के तहत सूची में दर्ज निजी अस्पतालों में से चिन्हित अस्पतालों की सघन जाँच की गई। रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, बस्तर, कबीरधाम, कोडगांव, कोरबा और सरबुजा तक फैली इस कार्यवाही ने अनेक सवाल खड़े कर दिए। चिन्हित कुल 17 अस्पतालों को जाँच के दायरे में रखा गया और उनकी सघन जाँच की गई। इस जाँच में चौंकारने वाले अनेक परिणाम सामने आए। रायपुर के एक अस्पताल की जाँच में 28 सितंबर को कुछ ही समय के भीतर 19 मरीजों के छुट्टी किए जाने का तथ्य सामने आया। इनमें 18 मरीज ओडिशा के बताए गए। अगले ही दिन जाँच के दौरान योजना के केवल सात मरीज भर्ती मिले, जबकि अस्पताल में कुल मरीजों की संख्या करीब 20 थी। कुछ मरीज सामान्य दर्द जैसी शिकायतों के साथ भर्ती पाए गए और जाँच दल ने उनमें से कुछ को भर्ती किए जाने



की स्थिति में नहीं माना। इससे भी गंभीर सवाल तब उठता है, जब आईसीयू में भर्ती बताए गए मरीज से संबंधित अभिलेख ही मौके पर उपलब्ध नहीं मिले। मरीज अस्पताल में है, लेकिन उसकी भर्ती की फाइल नहीं है। यह किसी सामान्य प्रशासनिक चूक से आगे का विषय है। मामले की गंभीरता इसलिए और बढ़ जाती है क्योंकि जाँच में यह आरोप सामने आया कि आयुष्मान कार्ड वाले गरीब लोगों को कमीशन का लालच देकर दूसरे स्थानों से लाया जा रहा था। उन्हें बिना गंभीर बीमारी के अस्पताल में भर्ती दिखाया जाता, हाथ में कैनुला और पट्टियाँ लगाई जाती और फिर

अंकिता भक्त, कीर्ति शर्मा और कुमकुम मोहोद की रिकर्व टीम ने दक्षिण कोरिया को 5-3 से हराकर पहली बार एशियन गेम्स का स्वर्ण जीता। कुमकुम ने व्यक्तिगत रिकर्व स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रच दिया। मुक्केबाजी में लवलीना बोरगोहेन ने अपने जन्मदिन पर 75 किलोग्राम वर्ग में चीन की बाओ जियी को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता, जबकि परवीन हुड्डा ने 65 किलोग्राम वर्ग में चीनी ताइपेई की चेन निएन-चिन को 3-2 से हराकर खिताब पक्का किया।

इन जीतों में अचूक निशाने, दमदार मुक्कों और दबाव में फैसले लेने के कौशल को झलक दिखी। इन उपलब्धियों ने साबित किया कि भारतीय बेटियां तीरंदाजी से मुक्केबाजी तक हर खेल में अपनी प्रतिभा और परिश्रम से पहचान बना रही हैं।

मैदान पर चमकते पदकों के पीछे वर्षों की मेहनत और मजबूत खेल व्यवस्था की भूमिका है। बेहतर प्रशिक्षण, सरकारी सहायता, निजी प्रायोजन, आधुनिक तकनीक और मानसिक प्रशिक्षण ने खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए तैयार किया है। अब सफलता शारीरिक क्षमता के साथ पोषण, रणनीति, अनुशासन और मानसिक मजबूती पर भी निर्भर है। हालांकि, प्रतिभा और अवसर के बीच की खाई अब भी बनी हुई है। अनेक लड़कियां सामाजिक रूढ़ियों, आर्थिक तंगी और संसाधनों की कमी से जूझ रही हैं। परिवार का प्रोत्साहन, प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन और संस्थागत सहयोग उनकी राह आसान बना सकते हैं। नागोया की उपलब्धियां बताती हैं कि बेटियों को अवसर मिलने पर उनकी जीत पदकों से आगे बढ़कर समाज की सोच भी बदल सकती है।

एशियन गेम्स के स्वर्ण पदक नई मंजिलों की राह खोल रहे हैं। महिला हॉकी टीम के सामने 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में इस सफलता को विश्वस्तरीय प्रदर्शन में बदलने की चुनौती है। नीरू धांदा और प्रणवी उर्स जैसी खिलाड़ियों की उपलब्धियां नई पीढ़ी की लड़कियों को शूटिंग, गोल्फ, हॉकी, तीरंदाजी और मुक्केबाजी के लिए प्रेरित कर सकती हैं। इसके लिए अस्पतालों को भविष्य की तैयारी में बदलते हुए खिलाड़ियों को निरंतर प्रशिक्षण, संसाधन और अंतरराष्ट्रीय अनुभव देना होगा। पदकों के साथ ऐसी खेल व्यवस्था बनाना भी जरूरी है, जहां अगली पीढ़ी को प्रतिभा साबित करने में अनावश्यक बाधाएं न झेलनी पड़ें।

किसी भी जीत की असली ताकत उस बदलाव में होती है, जो वह अपने पीछे छोड़ती है। नागोया में भारतीय बेटियों के प्रदर्शन को भी इसी कसौटी पर परखा जाएगा। उनकी कामयाबी तभी दूरगामी असर छोड़ेगी, जब खेल को लड़कियों के लिए असाधारण विकल्प नहीं, सहज अवसर माना जाएगा।

इसके लिए जरूरी है कि परिवारों का भरोसा मजबूत हो, सामाजिक सोच बदले और खेल संस्थाएं प्रतिभा को आगे बढ़ने का निम्नक्ष अवसर दें। मैदान पर बेटियों ने अपनी क्षमता का प्रमाण दे दिया है; अब उन्हें आगे बढ़ने के लिए अनुकूल माहौल देना देश की जिम्मेदारी है। यही बदलाव इन उपलब्धियों को स्थायी विरासत में बदलेगा।

कथित तौर पर फर्जी दस्तावेजों के आधार पर लाखों रुपये के दावे तैयार किए जाते। इस गोरखधंधे के पीछे मरीज जुटाने वाले बिचौलियों, दस्तावेज तैयार करने वालों और भुगतान की निगरानी करने वाली व्यवस्था की भूमिका भी स्पष्ट सामने आ रही है।

छत्तीसगढ़ सरकार ने तो हिम्मत करके वहां के अस्पतालों की जाँच कर उन शिकायतों की पुष्टि कर ली, जो उन्हें लगातार मिल रही थी। इस जाँच के बाद छत्तीसगढ़ सरकार कुछ कठोर कदम भी उठा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार का यह काम निःसंदेह सराहनीय और अनुकरणीय है। मध्यप्रदेश में भी समय-समय पर आयुष्मान योजना में हो रहे घपलों की खबरें मीडिया में आती रहती है। कुछ शिकायतें तो छत्तीसगढ़ राज्य में आई शिकायतों के समान ही है। किन्तु कुछ शिकायतें नई भी है। जैसे आयुष्मान योजना के कार्डधारी को भर्ती तो कर लिया जाता, किन्तु उसका इलाज और उस पर हो रहे खर्च की जानकारी मरीज और उसके परिवार को नहीं दी जाती। अब तक हुए खर्च की जानकारी मांगने पर मरीज और परिवार को कहा जाता है कि आप तो बस हस्ताक्षर कर दो, आपको पैसे नहीं देने हैं।आयुष्मान योजना में हो रहे घपले का एक उदाहरण इंदौर में सामने आया है। धार के एक 70 वर्ष से अधिक के वरिष्ठजन को जब उसके घुटनों के इलाज के लिए इन्दौर के अस्पताल में भर्ती किया गया तो उसके घुटने के आर्परेशन कर दिया गया और बताया गया कि घुटने में जो कटोरी का उपकरण लगा ना वह सस्ता है। हमें आयुष्मान योजना में वही लगाना है।

जंगल की महक से बाजार की पहचान तक पहुंचा महुआ

अभिजीत सिंह
मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की पहल से जशपुर में महुआ को मिल रहा नया स्वरूप, जशप्योर और जय जंगल के प्रयासों से जनजातीय परिवारों एवं महिला स्वसहायता समूहों के लिए आजीविका की नई संभावनाएं
रायपुर, 22 सितंबर 2026/ कभी जंगलों में सहज रूप से मिलने वाली वन उपज और पारंपरिक उपयोग तक सीमित महुआ आज नए रूप, नई पहचान और नई संभावनाओं के साथ बाजार तक पहुंच रहा है। जशपुर में महुआ को केवल वन उपज के रूप में नहीं, बल्कि खाद्य नवाचार, मूल्य संवर्धन, अनुसंधान और जनजातीय आजीविका के अवसर के रूप में विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में स्थानीय संसाधनों को आधुनिक बाजार से जोड़ने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों ने महुआ की पहचान को नई ऊंचाई दी है। इसी बदलाव की झलक रायपुर के साइंस कॉलेज ग्राउंड में आयोजित 14वें इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर में देखने को मिली, जहां जशप्योर और जय जंगल के स्टॉल पर जशपुर के महुआ आधारित उत्पादों ने आगंतुकों का ध्यान आकर्षित किया। 18 से 20 सितंबर तक आयोजित इस मेले में बड़ी संख्या में लोगों ने महुआ से तैयार विभिन्न खाद्य उत्पादों को देखा, उनके बारे में जानकारी ली और उनकी गुणवत्ता, स्वाद तथा आधुनिक पैकेजिंग की सराहना की। महुआ की बदली तस्वीर, पारंपरिक वन उपज से आधुनिक फूड प्रोडक्ट तक महुआ का नाम सुनते ही लंबे समय तक लोगों के मन में इसकी पारंपरिक उपयोगिता की ही तस्वीर उभरती रही। जशपुर में इसी धारणा को बदलते हुए महुआ को आधुनिक खाद्य उत्पादों के रूप में विकसित करने की दिशा में काम हो रहा है। अब महुआ केवल जंगल से संग्रहित होने वाली वन उपज नहीं, बल्कि प्रसंस्करण,

ब्रांडिंग और मूल्य संवर्धन के जरिए बाजार में अपनी अलग पहचान बनाने वाला उत्पाद बन रहा है।

इंडिया इंडस्ट्रियल फेयर के हॉल नंबर-3 के स्टॉल नंबर 4 एवं 5 पर महुआ नेक्टर, महुआ नेक्टर गोल्ड, वन्यप्राश, महुआ एनर्जी पाचक, महुआ टी, महुआ आधारित कुकीज, रागी-महुआ उत्पाद, महुआ लड्डू और फूड-ग्रेड महुआ फूल सहित अनेक उत्पाद प्रदर्शित किए गए। उत्पादों की विविधता के साथ उनकी आकर्षक पैकेजिंग और आधुनिक प्रस्तुति ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर किया कि जंगलों से मिलने वाला पारंपरिक महुआ आधुनिक खाद्य बाजार में इतने नए रूपों में भी अपनी जगह बना सकता है।

कई आगंतुकों ने पहली बार महुआ को इतने विविध खाद्य स्वरूपों में देखा। उत्पादों की प्रस्तुति और स्वाद ने यह संदेश दिया कि यदि स्थानीय संसाधनों को उचित तकनीक, गुणवत्ता और बाजार की समझ के साथ जोड़ा जाए, तो ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों की पारंपरिक उपज भी व्यापक बाजार तक पहुंच सकती है।

जशप्योर बना स्थानीय संसाधनों के मूल्य संवर्धन का माध्यम

जशपुर की पहचान केवल अपने जंगलों और प्राकृतिक संपदा से नहीं, बल्कि यहां के लोगों के पारंपरिक ज्ञान और स्थानीय संसाधनों से भी जुड़ी है। इसी स्थानीय ताकत को आर्थिक अवसरों में बदलने की दिशा में जशप्योर के माध्यम से कार्य किया जा रहा है। जिला प्रशासन, स्थानीय समुदाय, महिला समूहों, उत्पादक संस्थाओं और तकनीकी संस्थानों के साझा प्रयासों से महुआ सहित स्थानीय वन उपज के संग्रहण, प्रसंस्करण, उत्पाद विकास और बाजार से जुड़ाव पर काम हो रहा है। इसका उद्देश्य स्थानीय संसाधनों को स्थानीय स्तर पर ही अधिक मूल्यवान बनाना और उनसे जुड़े परिवारों के लिए बेहतर आजीविका के अवसर तैयार करना है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में स्थानीय

एवं जनजातीय उत्पादों के मूल्य संवर्धन और उन्हें व्यापक बाजार से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। जशपुर में महुआ को लेकर हो रहे प्रयास इसी सोच को जमीन पर साकार करते हुए दिखाई देते हैं।

पेड़ से बाजार तक तैयार हो रही पूरी वैल्यू चेन महुआ की कहानी केवल उत्पाद तैयार करने तक सीमित नहीं है। इसके पीछे पेड़ से बाजार तक पूरी वैल्यू चेन विकसित करने का प्रयास है। स्वच्छ और फूड-ग्रेड संग्रहण से लेकर डिहाइड्रेशन, प्रसंस्करण, अनुसंधान, गुणवत्ता सुधार, उत्पाद विकास, पैकेजिंग और मार्केटिंग तक प्रत्येक चरण को बेहतर बनाने पर ध्यान दिया जा रहा है।

जिला प्रशासन जशपुर के सहयोग से संचालित में महुआ के खाद्य उपयोग, नए उत्पादों, फूड-ग्रेड कलेक्शन, डिहाइड्रेशन और प्रसंस्करण तकनीक सहित विभिन्न पहलुओं पर अनुसंधान एवं प्रयोग किए जा रहे हैं। इन प्रयासों का व्यापक उद्देश्य महुआ की गुणवत्ता और बाजार मूल्य बढ़ाने के साथ इससे जुड़े जनजातीय परिवारों और महिला स्वसहायता समूहों के लिए आय के नए अवसर तैयार करना है। जब जंगल में संग्रहित होने वाली उपज को वैज्ञानिक तरीके से तैयार कर बाजार तक पहुंचाया जाता है, तो उसका लाभ केवल अंतिम उत्पाद तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरी मूल्य श्रृंखला से जुड़े लोगों तक पहुंचने की संभावना बनती है।

पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक तकनीक से जोड़ रही नई पीढ़ीइंडिया इंडस्ट्रियल फेयर में जशप्योर एवं जय जंगल के स्टॉल का प्रतिनिधित्व जशपुर की अनेश्वरी भगत और गणपति बाई कर रही थीं। वे आगंतुकों को केवल उत्पादों की जानकारी ही नहीं दे रही थीं, बल्कि यह भी बता रही थीं कि महुआ का संग्रहण किस तरह किया जाता है, उसे फूड-ग्रेड बनाने के लिए किन प्रक्रियाओं को अपनाया गया है और किस प्रकार पारंपरिक ज्ञान को आधुनिक फूड प्रोसेसिंग से जोड़ा जा रहा है।



मेघ राशि : आज का दिन आपके लिये शानदार रहने वाला है। स्टूडेंट्स अपनी पढ़ाई पर ध्यान देंगे। आज किसी खास प्रयोजन को लेकर यात्रा संबंधी प्रोग्राम बन सकता है। घर में नजदीकी संबंधियों का आगमन होगा और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आपको कोई नयी जानकारी मिलेगी आपके लिए यह जानकारी भविष्य में फायदेमंद साबित होगी।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज अचानक ही किसी मित्र से मुलाकात होगी और विशेष मुद्दों पर लाभदायक विचार विमर्श भी होगा। मानसिक सुकून पाने के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक गतिविधियों में समय बिताएंगे। आज नकारात्मक सोच से बचने की कोशिश करें।

कर्क राशि :आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहने वाला है। आज किसी अनुभवी व्यक्ति का सानिध्य मिलेगा, जिससे नई ऊर्जा और स्फूर्ति महसूस करेंगे। कोई खास कार्य सिद्धि भी संभव है। दूसरों से उम्मीद करने के बजाय अपनी मेहनत और क्षमता पर विश्वास रखें। आज सहज तरीके से अपने कार्यों को व्यवस्थित करते चले।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आज आपके तय किए काम समय से पूरे होते हुए नजर आ रहे हैं साथ ही कुछ काम वक्त से पहले पूरे करने की वजह से खुद के लिए प्रसन्नता मिलेगी। समस्याओं से घबराने के बजाय उनको सुलझाने की कोशिश करें।

कन्या राशि :आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आपके बच्चे बिजनेस में आपका पूरा सपोर्ट करेंगे। पूंजी के उचित निवेश के लिए आपको किसी अनुभवी से सलाह लेनी चाहिए। अपने अहम् पर काबू करके परिस्थिति को ठीक से समझने की कोशिश करेंगे, तो आपको आसानी से हल मिल जायेगा। लवमेट के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। कुल मिलाकर आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। काम करने के तरीकों में बदलाव करेंगे और व्यवस्थित रहेंगे तो इससे आपके काम जल्दी निपटेंगे। आज किसी से अनबन की स्थिति में अपने गुस्से पर काबू रखें। आज लंबी यात्रा का प्रोग्राम बन सकता है।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत सजींदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें। कोई भी छोटा-बड़ा फैसला लेते वक्त किसी एक्सपर्ट की सलाह से आपको मुनाफा होगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज दोस्तों और रिश्तेदारों से पूरी मदद मिलेगी। खास काम के सिलसिले में बातचीत भी होगी। किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने से पहले घर के सदस्यों की सलाह लेना आपके लिए बहुत ही लाभदायक रहेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आपके मन में किसी प्रकार का डर रहेगा लेकिन डरने की बात नहीं है यह आपकी ओवर थिंकिंग के कारण हो सकता है। आज कार्यस्थल की व्यवस्था में कुछ परिवर्तन लाने की भी जरूरत है। दूर-एंड-ट्रेवल्स और मीडिया संबंधी व्यवसाय में सुधार आएगा।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहने वाला है। घर में सुखद और अच्छा माहौल रहेगा, शाम का समय बड़े बुजुर्गों के साथ बिताएंगे। ऑफिस में कुछ राजनीति जैसा माहौल रह सकता है। आज जीवनसाथी का आपके प्रति पूर्ण सहयोग रहेगा। लवमेट के साथ घूमने का भी प्रोग्राम बनेगा।

मीन राशि :आज का दिन आपके लिए बहुत अच्छा रहेगा। आज पैसों से जुड़ी समस्याओं को सुलझाने की कोशिश करेंगे। आज पारिवारिक और व्यावसायिक गतिविधियों में संतुलन बना कर रखने से उचित व्यवस्था बनी रहेगी। स्टूडेंट को अपने अध्ययन और करियर में एकाग्रता रखने से उचित परिणाम मिलेंगे।



शहजाद भट्टी नेटवर्क पर यूपी एटीएस का शिकंजा, लखनऊ समेत 10 जिलों में ताबड़तोड़ छापेमारी



नई दिल्ली, (आरएसएस)। पाकिस्तान स्थित शहजाद भट्टी नेटवर्क से कथित संबंधों की जांच में उत्तर प्रदेश एटीएस ने कार्रवाई तेज कर दी है। एजेंसी की टीमों ने लखनऊ समेत प्रदेश के 10 जिलों में संदिग्धों के घरों और अन्य ठिकानों पर एक साथ दबिश दी। कार्रवाई के दौरान कई लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ किए जाने की जानकारी सामने आई है। इनमें सीतापुर, बहराइच, श्रावस्ती, अलीगढ़ और मेरठ समेत अन्य जिले शामिल हैं। एटीएस की यह कार्रवाई पहले गिरफ्तार किए गए आरोपियों से पूछताछ के दौरान सामने आए नए नामों और संपर्कों के आधार पर की जा रही है। एजेंसी 150 से अधिक ऐसे लोगों में गतिविधियाँ और संपर्कों की जांच कर रही है, जिनके बारे में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ में जानकारी मिली थी। जांच में यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि इनमें से किन लोगों का नेटवर्क से वास्तविक संबंध था और उनकी भूमिका क्या रही है। जांच एजेंसी संदिग्धों के सोशल मीडिया खातों, चैट, संपर्कों और अन्य डिजिटल गतिविधियों को भी खंगाल रही है। इसके अलावा वित्तीय लेनदेन और डिजिटल नेटवर्क की भी पड़ताल की जा रही है। अधिकारियों के मुताबिक, अब तक सामने आए कई संदिग्धों से पूछताछ की जा चुकी है और उनसे डिजिटल संपर्कों का विश्लेषण जारी है। इससे पहले पिछले कुछ महीनों में शहजाद भट्टी नेटवर्क से कथित रूप से जुड़े मामलों में कई गिरफ्तारियाँ हो चुकी हैं। अगस्त में यूपी एटीएस की जांच में 52 गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के बाद 150 से अधिक संदिग्धों की पहचान किए जाने की जानकारी सामने आई थी। एजेंसी का फोकस यह पता लगाने पर है कि इनमें से कौन महज संपर्क में था और कौन नेटवर्क की गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल था।

लूहरी जल विद्युत परियोजना में स्वच्छता ही सेवा अभियान का समापन

शिमला (आरएनएस)। लूहरी जल विद्युत परियोजना चरण-डू में विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार और निगम मुख्यालय के निर्देशानुसार आयोजित 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान का शुक्रवार को गांधी जयंती और स्वच्छ भारत दिवस के अवसर पर समापन हुआ। परियोजना में यौन अभियान 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलाया गया। इस दौरान स्वच्छता को लेकर जन-जागरूकता बढ़ाने, लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, कचरे के उचित प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की गईं।

समान कार्यक्रम में लूरी जल विद्युत परियोजना चरण-1 के परियोजना प्रमुख ई. जयवंत सिंह कपूर ने अभियान के दौरान सक्रिय योगदान देने वाले स्वच्छता स्वयंसेवियों को सम्मानित किया। उन्होंने अभियान को सफल बनाने में स्वच्छता स्वयंसेवियों और परियोजना की टीम की ओर से किए गए प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम में परियोजना के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, अधिकारी, कर्मचारी और स्वच्छता स्वयंसेवी मौजूद रहे। अभियान के दौरान परियोजना में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों के लिए 'वेस्ट गू वेथे-कबाड़ से जुगाड़' प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इसमें प्रतिभागियों ने घरेलू और अनुपयोगी सामग्री को रचनात्मक तरीके से उपयोगी वस्तुओं में बदलकर अपनी सृजनात्मकता का प्रदर्शन किया। परियोजना प्रमुख और मौजूद विभागाध्यक्षों ने प्रतिभागियों के कार्यों की सराहना की। प्रतिकर के विजेताओं के साथ सभी प्रतिभागियों को भी पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

नोएडा की सुपरनोवा सोसाइटी के 43वें फ्लोर से कूदा युवक, दो हिस्सों में बंटा शव, देखने वालों की कांप उठी रह

नोएडा (ए.)। सेक्टर-94 स्थित चर्चित सुपरनोवा सोसाइटी में एक युवक की ऊंचाई से गिरने के बाद मौत हो गई। घटना एस्पायर टावर की 43वीं मंजिल से जुड़ी बताई जा रही है। युवक के गिरने के बाद सोसाइटी परिसर में अफरा-तफरी मच गई और सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

43वीं मंजिल से गिरने की सूचना

प्राप्त जानकारी के अनुसार, युवक ने सुपरनोवा सांसाइटों के एस्पायर टावर के 43वें फ्लोर से संधिस्थ परिस्थितियों में छलांग लगा दी। भारी दबाव और अत्यधिक ऊंचाई से गिरने की वजह से युवक का शव दो हिस्सों में कट गया। टावर के ग्राउंड फ्लोर (भूतल) पर शव का ऊपरी हिस्सा आ गिरा और टावर की तीसरी मंजिल पर शव का निचला हिस्सा गिर गया। जेजे आवाज सुनकर मौके पर पहुंचे सुरक्षार्कर्मियों और निवासियों ने जब यह खौफनाक मंजर देखा तो उनके होश उड़ गए।

पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शुरु की जांच सूचना मिलते ही थाना सेक्टर-126 पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरु की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है पुलिस अब सोसाइटी में लगे CCTV कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है। इसका उद्देश्य यह पता लगाना है कि युवक 43वीं मंजिल तक कैसे पहुंचा और वह सोसाइटी का निवासी था या बाहर से आया था। पुलिस घटना की परिस्थितियों और युवक की पहचान के संबंध में जानकारी जुटा रही है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट तथा CCTV फुटेज के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

शिमला-मनाली से लेकर नैनीताल तक महाजाम, कैची धाम में पैर रखने की जगह नहीं; वीकेंड पर लगी पर्यटकों की भारी भीड़

शिमला/देहरादून (आरएनएस)। वीकेंड पर पड़ोसी राज्यों के लोग पहाड़ों का रुख कर रहे हैं। इस बीच हिमाचल से लेकर उत्तराखंड तक प्रमुख पर्यटन स्थलों को भारी भीड़ देखने को मिल रही है। यहां हर जगहों लंबे-लंबे जाम देखने को मिल रहे हैं। हिमाचल का कुल्लू-मनाली, शिमला हो या उत्तराखंड का नैनीताल हर जगह पर्यटकों को भारी भीड़ देखने को मिल रही है। इस वीकेंड पर बाहरी राज्यों से भारी संख्या में पर्यटक पहाड़ों की तरफ आए हैं। एक तरफ रोहतांग पर पड़ रहे बर्फ के फाहे, दूसरी तरफ लाहौल स्पॉट की ठंडी फिजाएं, हर किसी को मनाली आने पर निवश कर देती हैं। भारी मनाली में अचानक आने वाले मेहमान, जाम में भी फंस जाते हैं। मनाली से सोलांग पहाड़ मार्ग हो या हिडिम्बा देवी सड़क मार्ग, सबपर हर रकबर जाम लग रहा है।

हजारों की संख्या में शिमला पहुंचे पर्यटक
वहीं राजधानी शिमला में भी पर्यटन सीजन के बीच



ट्रैफिक का दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को शोशी बैरियर से कुल 16,277 वाहन शिमला पहुंचे। इनमें करीब 7,060 वाहन बाहरी राज्यों के थे। आंकड़ों के मुताबिक सामान्य दिनों में भी करीब 10 हजार वाहन प्रतिदिन शिमला पहुंच रहे हैं। एक सप्ताह में शिमला पहुंचने वाले वाहनों की संख्या करीब 70 से 80 हजार

तक पहुंच रही है। इनमें लगभग 50 फीसदी वाहन बाहरी राज्यों के बताए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में वाहनों के शहर में प्रवेश करने से प्रमुख सड़कों और पर्यटन स्थलों के आसपास ट्रैफिक जाम बढ़ रहा है। शिमला पहुंच रहे पर्यटकों को भी ट्रैफिक जाम से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पर्यटकों का कहना है कि शहर में प्रवेश करने के बाद माल रोड तक पहुंचने में 1 से 2 घंटे तक लग रहे हैं, जबकि सामान्य परिस्थितियों में यह समय करीब 15 से 20 मिनट में पूरा हो सकता है। ट्रैफिक जाम के कारण पर्यटकों का काफी समय सड़कों पर ही गुजर रहा है। वहीं शिमला के डीएसपी ट्रैफिक चंद्रशेखर ने स्थानीय लोगों, पर्यटकों और वाहन अपरेटर्स से ट्रैफिक नियमों का पालन करने और संयम बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि शिमला पुलिस लगातार ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारु बनाने और शहर को जाम से निजात दिलाने के लिए प्रयास कर रही है। वाहन चालक

नियमों का पालन करें और पुलिस का सहयोग करें, उत्तक यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाया जा सके। वहीं उत्तराखंड की बात करें तो वीकेंड के चलते नैनीताल, भीमताल, कैचौ धाम समेत कुछाऊं के प्रमुख पर्यटन स्थलों पर पर्यटकों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। पर्यटकों की संख्या बढ़ने से हल्द्वानी से नैनीताल और भीमताल जाने वाले मार्गों पर यातायात व्यवस्था चरममा गई है। शुक्रवार को ही नैनीताल रोड पर बहनों की लंबी कतारें देखने को मिल रही हैं। जाम की वजह से पर्यटकों को कुछ किलोमीटर का सफर तय करने में भी घंटों का सफर लग रहा है। दिल्ली से आए कुछ पर्यटकों ने अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि अगर आने घंटे का सफर चार से छह घंटे में पूरा हो रहा है तो ऐसे में पर्यटन स्थल तक पहुंचना बेहद मुश्किल हो गया है। कुछ पर्यटकों ने यहां तक कह दिया कि वे अब भीमताल की तरफ दोबारा आने से भी बचेंगे।

**पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर उपनेता
प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी को सौंपा ज्ञापन**

अल्मोड़ा, (आरएनएस)। पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन जनपद अल्मोड़ा के आगे से उत्तराखंड में पुरानी पेंशन योजना बहाल करने और आगामी विधानसभा चुनाव के कांग्रेस घोषणा-पत्र में इसे प्रयुक्तता से शामिल करने की मांग को लेकर कांग्रेस मेनिफेस्टो कमेटी के चेयरमैन एवं विधायक भुवन कापड़ी को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में संगठन ने कहा कि उत्तराखंड में 1 अक्टूबर 2005 के बाद नियुक्त सरकारी शिक्षक, कर्मचारी एवं अधिकारियों को पुरानी पेंशन व्यवस्था से बाहर कर एनपीओ के अंतर्गत लाया गया। संगठन ने वर्तमान पेंशन व्यवस्था को लेकर कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के बाद सामाजिक एवं आर्थिक मुश्किल से जुड़ी चिंताएं भी उठाईं। संगठन ने मांग की कि आगामी विधानसभा चुनाव के कांग्रेस घोषणा-पत्र में उत्तराखंड में पुरानी पेंशन बहाली को स्पष्ट रूप से शामिल किया जाए। संगठन ने सरकार बनने की स्थिति में हिमाचल प्रदेश की तर्ज पर पहली कैबिनेट बैठक में पुरानी पेंशन बहाली की घोषणा किए जाने का संकल्प भी घोषणा-पत्र में शामिल करने का आग्रह किया। संगठन के अनुसार पुरानी

पेंशन केवल सेवानिवृत्ति के बाद मिलने वाली आर्थिक व्यवस्था नहीं, बल्कि शिक्षक-कर्मचारियों और उनके परिवारों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा से जुड़ा उनका है। संगठन ने कहा कि इस मांग को घोषणा-पत्र में समयबद्ध निर्णय और पहली कैबिनेट में घोषणा के स्पष्ट संकल्प के रूप में शामिल किया जाना चाहिए। कहा कि संगठन लंबे समय से पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लोकतांत्रिक एवं शक्तिपूर्ण तरीके से सरकार और विभिन्न राजनीतिक दलों के समक्ष रखता रहा है। संगठन ने मेनिफेस्टो कमेटी से मांग को घोषणा-पत्र तैयार करते समय गंभीरता से शामिल करने का अनुरोध किया। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला संस्कारक डॉ. मनोज जोशी, जिलाध्यक्ष गणेश सिंह भंडारी, जिलामंत्री भूपाल सिंह चिलवला, प्रांतीय कोर कमेटी सदस्य धीरेन्द्र पाठक, जिला कोषाध्यक्ष दीपक तिवारी, कुमाऊँ मंडल अध्यक्ष राजू माहारा, जिलेक हारा, हवालबाग संस्कारक संजय जोशी, डॉ. ललित पाठक, हीरा सिंह डोबाल, मदन भंडारी, तारा बिष्ट, जिला मीडिया प्रभारी नितेश कंडपाल एवं जीवन साह सहित संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे।

अवैध निर्माण पर एससी सरक, सरकार को अतिक्रमण हटाने के लिए 8 हफ्ते की अंतिम मोहलत; अवमानना की चेतावनी

पटना, (आरएनएस)। पटना में गंगा नदी के डूब क्षेत्र (फ्लडप्लेन) में बेधड़क खड़े किए गए अवैध निर्माणों और अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद कड़ा रुख अपनाया है। शीघ्र अदालत ने बिहार सरकार को नौजर घाट से लेकर तूरपुर घाट के बीच गंगा के बाढ़ क्षेत्र में बने सभी अवैध ढांचों को पूरी तरह



ध्वस्त कर अतिक्रमण हटाने के लिए
आठ सप्ताह की अंतिम मोहलत दी
है। जस्टिस जे. बी. पारदीवाला और
जस्टिस के. वी. विश्वनाथन की पीठ
ने इस लहजे में स्पष्ट किया
यदि इन्हें तय समय सीमा के भीतर
आदेश का शत-प्रतिशत पालन नहीं
हुआ, तो राज्य के मुख्य सचिव-
समेत शीर्ष प्रशासनिक अधिकारियों

को व्यक्तिगत रूप से अदालत में प्रस्तुत किया जाएगा और उनके खिलाफ अनुमतिनामा को कार्रवाई शुरू की जाएगी। 21 जुलाई को ही दूसरी दौड़ 6 हफ्ते को मिलाव खत्म, आंशिक अनुपालन पर भड़का कोर्टमुनवाई के दौरान पीठ ने तलख टिप्पणी करते हुए बाद दिलाया कि शीर्ष अदालत ने इससे पहले 21 जुलाई को भी थारा सार को छह सप्ताह का स्पष्ट समय दिया था। प्रशासन को नौजब घाट से नृपूर धात तक गंगा के संवेदनशील डूब क्षेत्र से अथैध निर्माणों को ढाटकार पीठ टोई सौंपनी थी। लेकिन निर्धारित समय सीमा समाप्त होने के बावजूद जमीन पर ठोस और पूर्ण कार्रवाई नजर नहीं आई। 28 सितंबर को मुनवाई के दौरान बिहार के महाधिकांश एस. डी. संजय ने पीठ को बताया कि अदालत के निर्देशों का आंशिक रूप से पालन किया गया है। उन्होंने दलील दी कि नेपाल में आई भारी प्राकृतिक आपदा और अत्यधिक बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर अत्यधिक बहुत बढ़ गया था।

22 महीने का मासूम, जानलेवा बीमारी और 10 करोड़ रुपए का इलाज.. अनंत अंबानी ने बढ़ाया मदद का हाथ

मुंबई, (आरएनएस)। गंधीर और दुर्लभ बीमारी से जूझ रहे एक 22 महोने के मासूम बच्चे के लिए उद्योगपति मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अंशु अंबानी फरिश्ता बनकर सामने आए हैं। महाराष्ट्र का नन्हा वेदांश 'स्प्यान्डल मस्क्यूलर एट्रोफी' नामक एक जानलेवा न्यूरामस्क्यूलर बीमारी से ज़िंदगी और मौत की जंग लड़ रहा है, जिसके इलाज और दवा का खर्च करीब 10 करोड़ रुपये है। एक साधारण परिवार के लिए इतनी विशाल रकम जुटाना असंभव था, लेकिन लालबागचा राजा के दर्शन कर लौट रहे अंशु अंबानी ने जब बच्चे की मदद का बैनर देखा, तो उन्होंने तुरंत अपनी गाड़ी रुकवाई और मासूम के इलाज का पूरा खर्च उठाने का बड़ा ऐलान कर दिया।

सुबह 5 बजे लालबागचा राजा के गेट पर देखा बैनर, खुद रुकवाई कार

रिपोर्टर के अनुसार, सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मयूरेश गुजर और उनकी टीम मासूम वेदांश की ज़िंदगी बचाने के लिए पिछले करीब एक महोने से क्राउडफंडिंग के जरिए मदद जुटाने में लगी हुई थी। टीम के सदस्य हाथों में डोनेशन का बैनर लेकर सड़कों, मंदिरों और सार्वजनिक आयोजनों के बाहर खड़े होकर लोगों से एक-एक रुपये की मदद मांग रहे थे।

5 दिनांक

दिवा मदन

गाड़ी

करीब 4

मासूम वे

20 सितंबर की रात 10 बजे से मयूरेश और उनके साथी मुंबई के प्रसिद्ध 'लालबागचा राजा' रहे घातक इलाज की

नलेवा बीमारी और 10 करोड़ रुपए अंबानी ने बढ़ाया मदद का हाथ



पंढाल के गेट के पास बैनर लेकर खड़े थे। 21 सितंबर की तड़के करीब 5:18 बजे अनंत अंबानी बप्पा के दर्शन करने के बाद वहां से अपनी गाड़ी में लौट रहे थे। अचानक उनकी नजर सड़क किनारे खड़े युवाओं के हाथ में मौजूद डोनेशन बैनर पर पड़ी। उन्होंने बिना देर किए अपनी गाड़ी वहीं रुकव ली।

5 मिनट तक सुनी बच्चे की दास्तां, तुरंत

गाड़ी रुकते ही मयूरेश गुजर ने आगे बढ़कर करीब 4 से 5 मिनट के भीतर अनंत अंबानी को मासूम वेदांश की दुर्लभ बीमारी, उसके शरीर पर रहे घातक असर और 10 करोड़ रुपये के महंगे इलाज की गंभीरता से पूरी तरह अवगत कराया।

मामले की नजाकत और बच्चे की मासूमियत को देखते हुए अनंत अंबानी ने तुरंत संवेदनशीलता दिखाई और भरोसा दिलाया कि वेदांश के इलाज का पूरा खर्च वे खुद उठाएंगे।

अनंत अबानी के इस दरियादिली भरे फैसले के बाद बच्चे के माता-पिता और इस नेक मुहिम में जुड़े युवाओं की आंखों से खुशी के आंसू छलक पड़े।

क्या है स्पाइनल मरकुलर एट्रोफी और इसके लक्षण

स्पाइनल मरकुलर एट्रोफी एक दुर्लभ और जानलेवा जेनेटिक न्यूरोमरकुलर बीमारी है। यह बीमारी S M N 1 जीन में म्यूटेशन (खराबी) और की वजह से होती है। इस खराबी के चलते शरीर में 'S M N प्रोटीन' पर्याप्त मात्रा में नहीं बन पाता, जो मोटर की हड्डी में मांसपेशियों को नियंत्रित करने वाला प्रोटीन न्यूरोन्स कोशिकाओं के जिंदा रहने के लिए बेहद जरूरी है। इसके अभाव में कोशिकाएं धीरे-धीरे खत्म होती लगती हैं, जिससे मांसपेशियां पूरी तरह शिथिल पड़ जाती हैं। इस गंभीर बीमारी से पीड़ित बच्चे में अत्यधिक शारीरिक कमजोरी, शरीर का ढीला पड़ना, बैठने, खड़े होने या चलने में असमर्थता, संतुलन खोना और आगे चलकर भोजन निगलने व सांस लेने में गंभीर तकलीफ धीरे-धीरे खतरनाक लक्षण दिखाई देने लगते हैं।



कहते हुए कहा कि वे संसद, सड़क, पत्र या जहां भी जरूरत होगी, वहां लोगों के साथ खड़े होने का प्रयास करेंगे।

राहुल गांधी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष के रूप में लोगों के साथ खड़ा होना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने लोगों से अपनी 'सत्याग्रह' की कहानी साझा करने का आह्वान किया।

विवादों में घिरता जा रहा प्रेमानंद महाराज का आश्रम,
शिष्य की मौत के बाद अब युवती और बच्चा गायब

वृंदावन (आगराएस)। सत प्रेमानंद महाराज के आश्रम से जुड़े एक किशोर के लापता होने का मामला सामने आने के बाद वृंदावन में हलचल बढ़ गई। हाथरस के सादाबाद क्षेत्र के रहने वाले 17 वर्षीय अनुज चौधरी के परिजन शुक्रवार को राधा केलिकुंज आश्रम के बाहर धरने पर बैठ गए। परिवार ने बेटे की सकुशल बरामदगी की मांग की और आश्रम से जुड़े लोगों पर सहयोग नहीं करने का आरोप लगाया। हालांकि, पुलिस की जांच में आश्रम के रिकॉर्डों में अनुज के मौजूद होने की जानकारी नहीं मिली है।



परिजनों के मुताबिक, अनुज ने 26 जून को प्रेमानंद महाराज से दीक्षा ली थी। इसके बाद वह घर लौट आया था। परिवार का कहना है कि 3 जुलाई को वह आश्रम जाने की बात कहकर घर से निकला, लेकिन उससे बाद वापस नहीं लौटे। 5 जुलाई को सादाबाद थाने में उसका गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। अनुज के पिता राजवीर सिंह का आरोप है कि परिवार लंबे समय से बेटे की तलाश कर रहा है, लेकिन उन्हें आश्रम की ओर से संतोषजनक जानकारी नहीं मिल रही थी। एक साधु द्वारा अनुज को आश्रम परिसर में देखने का दावा किए जाने के बाद परिवार को आशंका और बढ़ गई। अनुज के परिजनों के साथ बड़ी संख्या में ग्रामीण भी आश्रम के बाहर पहुंचे। स्थिति को देखते हुए पुलिस और पीएससी की तैनाती की गई। पुलिस अधिकारियों ने आश्रम के रिफॉर्ड की जांच की, लेकिन उसमें अनुज का नाम नहीं मिला। देश शािम सौंदर्य वृंदावन ने परिजनों से बातचीत कर उन्हें बेटे की तलाश में हरसंभव मदद का आश्वासन दिया, जिसके बाद करीब आठ घंटे चला धरना समाप्त हो गया। इसी बीच नोएडा के एक युवती के लापता होने का मामला भी सामने आया है। उसके पिता के मुताबिक, उनकी बेटी 15 अगस्त को वृंदावन स्थित प्रेमानंद महाराज के आश्रम जाने के लिए घर से निकली थी, लेकिन इसके बाद उसका पता नहीं चला।

रविवार 04 अक्टूबर 2026, नर्मदापुरम् (होशंगाबाद)

विदेश समाचार

दैनिक क्षितिज किरण 6

स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में टैंकर पर मिसाइल हमले से मची तबाही, सुरक्षित बचाए गए 5 भारतीय नाविक

नई दिल्ली(ए.)। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में एक और कमर्शियल जहाज को निशाना बनाए जाने की घटना सामने आई है। कुवैत के झंडे वाले कच्चे तेल के टैंकर MT Kazimah III पर एक प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। जहाज पर मौजूद पांच भारतीय नागरिकों को भारतीय दूतावास और ओमानी अधिकारियों के समन्वय से सुरक्षित तट पर पहुंचा दिया गया।

दूतावास ने स्थानीय अधिकारियों के साथ चलाया रेस्क्यू ऑपरेशन

ओमान स्थित भारतीय दूतावास ने बताया कि मिशन ने टैंकर पर सवार पांच भारतीय नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए स्थानीय अधिकारियों के साथ समन्वय किया। सभी पांचों भारतीयों को सुरक्षित तट पर पहुंचा दिया गया। दूतावास ने बचाव अभियान में सहयोग के लिए ओमानी अधिकारियों का



आभार जताया।

हमले के पीछे कौन ? अभी जानकारी नहीं

भारतीय मिशन ने घटना के पीछे की वजह या प्रोजेक्टाइल किस ओर से आया, इस संबंध में कोई जानकारी नहीं दी है। अलग रिपोर्ट में ब्रिटेन की चरूख़्क़ह ने ओमान से करीब चार नॉटिकल मील पूर्व एक कच्चे तेल के टैंकर के अज्ञात प्रोजेक्टाइल की चपेट में आने की जानकारी दी है। घटना की जांच की जा रही है और फिलहाल प्रोजेक्टाइल के स्रोत की पुष्टि नहीं हुई है।

यह घटना ऐसे समय हुई है जब पश्चिम एशिया में तनाव के बीच स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरने वाले व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ी है। हाल के दिनों में इस समुद्री मार्ग से गुजरने वाले कई तेल टैंकरों को प्रोजेक्टाइल हमलों का सामना करना पड़ा है।

अमेरिका ने 50 देशों के नागरिकों पर लगाया वीजा बॉन्ड, भारतीय पासपोर्ट धारकों को मिली छूट



का पर्व भी नजदीक है। संगठन ने कहा कि मंदिरों और हिंदू समुदाय के खिलाफ नफरत और हिंसा की घटनाओं को लेकर चिंता लगातार बढ़ रही है।संगठन ने पिछले कुछ वर्षों में हिंदू मंदिरों को निशाना बनाए जाने की कई घटनाओं का भी उल्लेख किया। दिसंबर 2023 में कैलिफोर्निया के नेवार्क स्थित एसएमवीएस श्री स्वामीनारायण मंदिर की दीवारों पर आपत्तिजनक और नफरत भरे नारे लिखे गए थे। सितंबर 2024 में न्यूयॉर्क के मेलविले और कैलिफोर्निया के सैंक्रामेंटो क्षेत्र में बीएपीएस मंदिरों में तोड़फोड़ की गई थी। इसके बाद मार्च 2025 में कैलिफोर्निया के चीनो हिल्स स्थित बीएपीएस मंदिर को भी नफरत भरे संदेश लिखकर बदरंग किया गया था।लगातार सामने आ रही इन घटनाओं के बाद अमेरिका में रहने वाले भारतीय और हिंदू समुदाय के लोगों में मंदिरों और धार्मिक स्थलों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है।

वॉशिंगटन (ए.)। अमेरिका ने 50 देशों की एक सूची जारी की है, जिनके नागरिकों को बिजनेस और टूरिस्ट वीजा के लिए 20,000 डॉलर तक का वीजा बॉन्ड जमा करना पड़ सकता है। इस नियम से भारत को बाहर रखा गया है यानी भारतीय पासपोर्ट धारकों को यह बॉन्ड नहीं देना होगा। हालांकि, दक्षिण एशिया के बांग्लादेश, भूटान और नेपाल इस सूची में शामिल हैं।अमेरिकी विदेश विभाग ने शुक्रवार को उन देशों की अपडेटेड लिस्ट जारी की, जिनके नागरिक अगर बी1/बी2 वीजा के लिए बाकी सभी शर्तें पूरी करते हैं, तो भी वीजा जारी किए जाने से पहले उन्हें बॉन्ड जमा करने के लिए कहा जा सकता है।इस प्रोग्राम के तहत, सूची में शामिल देशों में से किसी एक द्वारा जारी पासपोर्ट पर यात्रा करने वाले आवेदक को 10,000 डॉलर, 15,000 डॉलर या 20,000 डॉलर का बॉन्ड जमा करना होगा। स्टेट डिपार्टमेंट के अनुसार, इस रकम का फैसला वीजा इंटरव्यू के दौरान कांसुलर ऑफि?सर करते हैं। यह नियम भारतीय पासपोर्ट धारकों पर लागू नहीं होता है। अमेरिकी विदेश विभाग की सूची के मुताबिक, बांग्लादेश और नेपाल पर यह नियम 21 जनवरी से, जबकि भूटान पर 1 जनवरी से लागू है। इस सूची में अफ्रीका, कैरेबियाई क्षेत्र, मध्य एशिया और प्रशांत क्षेत्र के कई देश भी शामिल हैं।

मनोरंजन

अंजलि अरोड़ा ने भक्ति को धर्म से ऊपर बताया, कहा-सेट पर कई मुस्लिमों ने बनाए रामजी के गाने



अभिनेत्री अंजलि अरोड़ा फिल्म महाकाव्य श्री रामायण कथा में माता सीता के किरदार में नजर आ रही हैं। अभिनेत्री का कहना है कि भक्ति और ईसानियत का किसी धर्म से कोई लेना-देना नहीं है। साथ ही, अभिनेत्री ने उन लोगों को भी आड़े हाथ लिया जो सनातन धर्म पर गर्व करने वालों को छोटा समझते हैं। अभिनेत्री ने बताया कि फिल्म की टीम में कई मुस्लिम भी थे, जिन्होंने भगवान राम की कहानी पर बनी इस फिल्म में अपना योगदान दिया है। धार्मिक पहचान जाहिर करने पर लोगों को ट्रोल किए जाने के सवाल पर अंजलि ने कहा कि सच्ची आस्था सिर्फ पूजा-पाठ में नहीं बल्कि आपके दूसरों के साथ बर्ताव में भी दिखनी चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसे लोग धर्म में तो यकीन रखते हैं लेकिन ईसानियत में नहीं। जो व्यक्ति भगवान में विश्वास रखता है, वह हर धर्म में विश्वास रखता होगा। मैं हिंदू हूँ, अगर मेरे सामने कोई मुस्लिम बैठा भी होगा, तो मैं उसे सामान्य ईसान की तरह देखूंगी।महाकाव्य श्री रामायण कथा के सेट के अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए अंजलि ने याद किया कि वरू के कई सदस्य मुस्लिम थे और फिर भी उन्होंने फिल्म के भक्ति संगीत में अपना योगदान दिया।उन्होंने कहा, ऋहमारे सेट पर स्पॉट दादा, लाइट दादा, म्यूजिक डायरेक्टर समेत कई लोग मुस्लिम थे और अच्छे से काम करते थे। उन्होंने भगवान राम के गाने गाए और संगीत तैयार किया। किसी व्यक्ति का धर्म यह तय नहीं करता कि वह किसी प्रोजेक्ट में अपना योगदान दे सकता है या नहीं। बस उसके अंदर वह अनुशासन होना चाहिए, जो हमारे शास्त्र हमें सिखाते हैं।

बता दें कि, महाकाव्य श्री रामायण कथा में अंजलि ने माता सीता का किरदार निभाया है जबकि देव शर्मा भगवान राम के रोल में हैं। फिल्म में शील वर्मा लक्ष्मण, निर्भय वाधवा हनुमान और रजनीश दुगल रावण के किरदार में नजर आए हैं। अभिषेक सिंह द्वारा निर्देशित और प्रकाश महोबिया और संजय बुढ़ेला द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म 25 सितंबर को हिंदी और छत्तीसगढ़ी में रिलीज हुई है।

रात को सोने से पहले इन 5 स्किन केयर आदतों को अपनाएं, त्वचा रहेगी स्वस्थ

रात को सोने से पहले स्किन केयर रूटीन का पालन करना बहुत जरूरी है। यह आपकी त्वचा को आराम देने और उसे पोषण देने में मदद करता है। सही समय पर सही उत्पादों का उपयोग करने से आपकी त्वचा ताजगी और निखार बनाए रख सकती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी स्किन केयर आदतें बताएंगे, जिन्हें आप अपनी रात की दिनचर्या में शामिल कर सकते हैं।

चेहरा धोएं

रात को सोने से पहले सबसे पहला कदम है अपने चेहरे को अच्छे से धोना। यह जरूरी है ताकि दिनभर की गंदगी, धूल और मेकअप के कण आपकी त्वचा पर न रहें।इसके लिए हल्के साबुन या चेहरे धोने वाले उत्पाद का उपयोग करें, जो आपकी त्वचा के प्रकार के अनुसार हो। गुनगुने पानी का उपयोग करें ताकि रोमछिद खुल सकें और त्वचा गहराई से साफ हो सके। इसके बाद ठंडे पानी से धोकर त्वचा को ताजगी मिलेगी।

टोनर लगाएं

चेहरा धोने के बाद त्वचा के संतुलन को बनाए रखने के लिए टोनर का उपयोग करें। टोनर आपकी त्वचा के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है और इसे नमी प्रदान करता है।इसके अलावा यह त्वचा की गहराई तक पहुंचकर उसे पोषण देता है। टोनर लगाने से



पहले सुनिश्चित करें कि आपका चेहरा पूरी तरह से सूखा हो चुका हो। इसके बाद रूई पर थोड़ा सा टोनर लें और हल्के हाथों से पूरे चेहरे पर लगाएं।

सीरम एक ऐसा उत्पाद है, जिसमें विटामिन-सी, विटामिन-ई जैसे पोषक तत्व होते हैं, जो आपकी त्वचा को गहराई से पोषण देते हैं।रात को सोने से पहले सीरम लगाना बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि तब

तनीषा मुखर्जी की बड़े पर्दे पर वापसी, जिंदगी फिर भी खूबसूरत है में दिखेगा अनोखा सफर

अभिनेत्री तनीषा मुखर्जी एक बार फिर स्क्रीन पर वापसी करने जा रही हैं। वह फिल्ममेकर कपिल कौस्तुभ शर्मा की जिंदगी फिर भी आएंगी। फिल्म में किरदार निभा रही अल ग – अल ग है। फिल्ममेकर की तारीफ करते किरदार के लिए उन्हें की जरूरत थी जो गहराई और संवेदनशीलता ला सके। कपिल कौस्तुभ शर्मा ने कहा, तनीषा एक ऐसी एक्टर हैं, जिनमें एक खास तरह की भावनात्मक समझ है और इस किरदार के लिए यह बहुत जरूरी थी। कहानी जिंदगी के अलग-अलग पड़ावों से होकर गुजरती है और मैं चाहता था कि इस सफर को कोई पूरी ईमानदारी और गहराई के साथ पर्दे पर उतारे।कपिल ने आगे कहा, फिल्म जिंदगी फिर भी खूबसूरत है मेरे लिए बेहद खास है। यह रिश्तों, बदलते वक्त और आम जिंदगी में छिपी खूबसूरती के बारे में है। तनीषा ने अपने किरदार में एक खास तरह की संवेदनशीलता जोड़ी है, जो कहानी के लिए काफी अहम है। जिंदगी फिर भी खूबसूरत है की कहानी मुंबई की पारसी कम्युनिटी के बीच सेट है। फिल्म 1990 के दशक से लेकर साल 2025 तक का दौर दिखाती है। इसमें रोमांस, ह्यूमर और इमोशनस का मेल देखने को मिलेगा।

आपकी त्वचा को आराम कर रही होती है और उसे पोषण ग्रहण करने का पूरा समय मिलता है।इसके अलावा सीरम आपकी त्वचा को निखारता भी है और इसे स्वस्थ बनाए रखता है। इसलिए इसे अपनी रात की स्किन केयर रूटीन में शामिल करें। त्वचा को नमी प्रदान करने के लिए मॉइस्चराइजर का उपयोग करें। यह खासकर ठंडे मौसम या वातानुकूलित वातावरण में बहुत जरूरी होता है, जहां हवा शुष्क होती है।

अपने चेहरे और गर्दन दोनों पर हल्के हाथों से मॉइस्चराइजर लगाएं ताकि यह अच्छी तरह अवशोषित हो जाए। इससे आपकी त्वचा मुलायम और चमकदार बनी रहेगी, जिससे आप सुबह उठकर तरोताजा महसूस करेंगे।

आंखों की देखभाल करें

आंखों के आस-पास की त्वचा बहुत नाजुक होती है और इसे खास देखभाल की जरूरत होती है। रात को सोने से पहले आंखों की देखभाल करना जरूरी है ताकि सुबह उठकर आपकी आंखें तरोताजा दिखें। इसके लिए आप आंखों की क्रीम या जेल का उपयोग कर सकते हैं, जिसमें नमी प्रदान करने वाले तत्व हों। इससे आपकी आंखों की थकान दूर होगी और वे सुस्त नहीं दिखेंगी, जिससे आप हमेशा तरोताजा महसूस करेंगे।

सेवा संकल्प अभियान : सफलता की कहानी पियूष मेहरा को मिला 10 हजार रुपए का ऋण, ऑनलाइन शॉप को मिली नई रफ्तार



नर्मदापुरम्(निप्र)। प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना छोटे कारोबारियों के लिए आर्थिक संबल का प्रभावी माध्यम बन रही है। योजना के माध्यम से कार्यशील पूंजी के लिए ऋण सहायता उपलब्ध होने से छोटे कारोबारी अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं। इटारसी के निवासी पियूष मेहरा ऑनलाइन शॉप का संचालन करते हैं। उन्हें प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के तहत 10 हजार रुपए की ऋण सहायता प्राप्त हुई है। इस आर्थिक सहायता से उन्हें अपने ऑनलाइन

कारोबार के संचालन के लिए आवश्यक पूंजी उपलब्ध हुई। ऋण राशि का उपयोग उन्होंने व्यवसाय से जुड़ी आवश्यक जरूरतों को पूरा करने और कारोबार को बेहतर तरीके से संचालित करने में किया। पियूष मेहरा बताते हैं कि छोटे कारोबार को सुचारू रूप से चलाने के लिए समय-समय पर पूंजी की आवश्यकता होती है। ऐसे में पीएम स्वनिधि योजना के तहत मिली 10 हजार रुपए की ऋण सहायता उनके लिए काफी उपयोगी साबित हुई। इससे उन्हें अपने ऑनलाइन शॉप के कारोबार को व्यवस्थित करने और आगे बढ़ाने में मदद मिली। उन्होंने योजना के माध्यम से आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति धन्यवाद व्यक्त किया। पीएम स्वनिधि योजना का उद्देश्य छोटे कारोबारियों एवं स्ट्रीट वेंडर्स को औपचारिक ऋण व्यवस्था से जोड़कर उनके व्यवसाय को निरंतर आगे बढ़ाने में सहायता करना है। योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को चरणबद्ध तरीके से ऋण सुविधा उपलब्ध होती है, जिससे वे अपने कारोबार की आवश्यकताओं को पूरा कर सकें। पियूष मेहरा की कहानी इस बात का उदाहरण है कि समय पर मिलने वाली आर्थिक सहायता छोटे कारोबारियों के लिए नई संभावनाओं के द्वार खोल सकती है। पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से मिली ऋण सहायता ने उनके ऑनलाइन शॉप व्यवसाय को आगे बढ़ाने में सहयोग दिया है और उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ने का अवसर मिला है।

हरिशंकर अहिरवार का कच्चे घर से पक्के आशियाने तक का सफर हुआ पूरा

नर्मदापुरम् (निप्र)। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को पक्का और सुरक्षित आवास उपलब्ध कराने के प्रयासों से आमजन के जीवन में सकारात्मक बदलाव आ रहा है। सोहागपुर निवासी हितग्राही हरिशंकर अहिरवार की कहानी भी इसी बदलाव की एक प्रेरणादायक मिसाल है। कभी कच्चे मकान में परिवार के साथ कठिन परिस्थितियों में जीवन व्यतीत करने वाले हरिशंकर अहिरवार का पक्के घर का सपना अब साकार हो चुका है। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों को सुरक्षित और पक्का आवास उपलब्ध कराना है।योजना के माध्यम से हितग्राहियों को आवास निर्माण के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है, जिससे वे अपने परिवार के लिए बेहतर और सुरक्षित आशियाना तैयार कर सकें। योजना से न केवल आवास की सुविधा मिलती है, बल्कि परिवारों को सम्मान और सुरक्षित जीवन जीने का अवसर भी प्राप्त होता है। हरिशंकर अहिरवार ने बताया कि पहले उनका परिवार कच्चे मकान में रहता था। बारिश के दौरान छत से पानी टपकने और मौसम बदलने पर घर की स्थिति खराब होने से काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। हर साल मकान की मरम्मत में समय और धन खर्च होता था। ऐसे में पक्का मकान बनाना उनके लिए लंबे समय से एक सपना था।

खेल समाचार

एशियन गेम्स 2026 : भारत ने लगातार दूसरी बार जीता गोल्ड मेडल, फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से हराया



निशिन (आरएनएस)। टीम इंडिया ने फाइनल में पाकिस्तान को 19 रनों से हराते हुए एशियन गेम्स 2026 में गोल्ड मेडल पर कब्जा जमाया। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क के मैदान पर भारत से मिले 212 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान की टीम 20 ओवर में 6 विकेट गंवाकर 192 रन ही बना सकी। भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार गोल्ड मेडल जीता है। लक्ष्य का पीछा करने

उतरी पाकिस्तान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। साहिबजादा फरहान बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सके और वह 11 गेंदों में 10 रन बनाकर आउट हुए। उस्मान खान को भी सिर्फ 3 रनों के स्कोर पर अक्षर पटेल ने पवेलियन भेजा। माज सदाकत अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा सके और 18 गेंदों में 23 रन बनाकर आउट हुए। 39 के स्कोर पर 3 विकेट खोकर मुश्किल

में नजर आ रही पाकिस्तान की पारी को हसन नवाज और सैम अयूब ने संभाला। दोनों ने मिलकर चौथे विकेट के लिए 48 गेंदों में 87 रनों की साझेदारी निभाई। अयूब 29 रन बनाने के बाद शिवम दुबे का शिकार बने। हालांकि, हसन ने एक छोर से अपनी शानदार बल्लेबाजी जारी रखी और तेज तर्रार अंदाज में अर्धशतक पूरा किया। हसन नवाज ने 51 गेंदों में 96 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन वह पाकिस्तान को जीत नहीं दिला सके। उन्होंने अपनी इस पारी में 5 चौके और 7 छक्के लगाए। भारत की ओर से गेंदबाजी में अक्षर पटेल, वांशिंगटन सुंदर और शिवम दुबे ने दो-दो विकेट चटकाए। इससे पहले, भारतीय टीम ने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 211 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए। टीम की शुरुआत अच्छी नहीं ही और वैभव सूर्यवंशी सिर्फ 15 रन बनाकर आउट हुए। वहीं, संजू सैमसन सिर्फ 2 रन ही बना सके। कप्तान श्रेयस अय्यर 24 गेंदों में 21 रन बनाने के बाद आउट हुए। ईशान किशन अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए और 18 गेंदों में 20 रन बनाकर पवेलियन लौटे। हालांकि, अभिषेक ने एक छोर से शानदार बल्लेबाजी की और महज 28 गेंदों का सामना करते हुए 61 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में अभिषेक ने 3 चौके और 7 छक्के लगाए। वहीं, उपकप्तान तिलक वर्मा बेहतरीन लय में दिखाई दिए और उन्होंने सिर्फ 22 गेंदों में 51 रनों की नाबाद पारी खेली।

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला स्वास्थ्य समिति जिला नर्मदापुरम्	
क्रमांक / निविदा शाखा/2026/7707	नर्मदापुरम् दिनांक 28/09/2026
ई-निविदा आमंत्रण	
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला स्वास्थ्य समिति जिला नर्मदापुरम् के अधीन जिला चिकित्सालय व सिविल अस्पताल इटारसी/पिपरिया एवं जिले की विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाओं हेतु साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं मल्टी स्किल्ड वर्कर वर्कर / मैनुपावर सेवाये आउटसोर्सिंग के माध्यम से उपलब्ध कराने के लिये ऑन लाईन ई-निविदा आमंत्रित की जाती हैं निविदा दस्तावेज एवं सम्पूर्ण विवरण एवं निविदा प्रपत्र ऑनलाइन (w w w.mptenders.gov.in) के माध्यम से इच्छुक निविदाकार निर्धारित समय अवधि में प्राप्त एवं प्रस्तुत कर सकेंगे। अधिक जानकारी हेतु कार्यालय की भण्डार शाखा से कार्यालयीन दिवस एवं समय में संपर्क किया जा सकता है।	
दूरभाष क्रमांक 07574-250113	
ऑन लाईन निविदा क्र.	7707
निविदा फार्म प्राप्त करने की तिथि	-05.10.2026(प्रातः 10:00 बजे) से 27.10.2026 (सयं: 6:00 बजे)
निविदा खुलने से पुर्व बैठक की तिथि	-12.10.2026 प्रातः 11:00 बजे
निविदा जमा करने की अंतिम तिथि	-13.10.2026(प्रातः 10:00 बजे) से 27.10.2026 (सयं 6:00 बजे)
तकनीकी निविदा खुलने की तिथि	-29.10.2026 प्रात 11:00 बजे
वित्तीय निविदा खुलने की तिथि	-Deeide After Technical Bid Opening स्थान
निविदा से संबंधित विस्तृत शर्तें, पात्रता, तकनीकी विनिर्देश, ई.एम.डी., निविदा शुल्क एवं अन्य जानकारी (www.mptenders.gov.in) पर निविदा दस्तावेज में देखी जा सकती हैं।	
जी/19429/26	(डॉ नरसिंह गेहलोत)
हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें	मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला- नर्मदापुरम्

बराखड़ कला के दो मंदिर ट्रस्टों और दुकानों के निर्माण में धांधली की जांच पर उठे सवाल, रिपोर्ट दबाने का आरोप

अधिकारियों का कहना ‘जांच जारी है’, ट्रस्टियों ने बताई ‘क्लीन चिट’; आवेदक अब लोकायुक्त व EOW जाने की तैयारी में

नर्मदापुरम्। सिवनी मालवा (निप्र)। ग्राम बराखड़ कला (तहसील सिवनी मालवा, जिला नर्मदापुरम्) स्थित दो प्रमुख सार्वजनिक ट्रस्टों–श्री महावीर जी मंदिर दृधियावड़ (ट्रस्ट क्र. 121/55) एवं राम जानकी राधा कृष्ण मंदिर (ट्रस्ट क्र. 232/55)–तथा नाले पर बनाई गई 22 दुकानों के निर्माण व आवंटन में कथित भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। शिकायतकर्ता नीरज तिवारी द्वारा बार-बार प्रशासनिक दरवाजे खटखटाने के बावजूद जांच रिपोर्ट सार्वजनिक न किए जाने पर प्रशासनिक अधिकारियों की भूमिका पर भी गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। नीरज तिवारी ने पत्रकारों को बताया कि कलेक्टर ने गठित किया था 4 सदस्यीय जांच दल शिकायतकर्ता नीरज तिवारी (निवासी ग्राम बराखड़ खुर्द) के अनुसार, उन्होंने 21 अप्रैल 2026 को कलेक्टर को तीन अलग-अलग विस्तृत फाइलों में वित्तीय गड़बड़ी और निर्माण संबंधी अनियमितताओं के पुख्ता सबूत सौंपते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर 28 अप्रैल 2026 को अपर कलेक्टर नीता कोरी, तहसीलदार नितिन झोड़, नायब तहसीलदार कीर्ति प्रधान एवं नायब नाजिर बिशन सिंह रघुवंशी की 4 सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया था। नाले पर बनी 22 दुकानों के आवंटन में बंदरबांट की आशंका संभागीय कमिश्नर और जिला प्रशासन को सौंप गए जापनों में आरोप लगाया गया है कि सिवनी मालवा मुख्य मार्ग पर नाले के ऊपर 22 दुकानों का निर्माण कार्य पूरा करा लिया गया है। आरोप है



कि इन दुकानों की सार्वजनिक रूप से खुली नीलामी कराने के बजाय कागजों में या अधिकारियों की मिलीभगत से गुप्तचुप तरीके से राशि लेकर चहेतों को आवंटित कर दिया गया है। शिकायतकर्ता ने मांग की थी कि निर्माण और आवंटन प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए पूरी नीलामी सार्वजनिक मुनादी और वीडियोग्राफी के साथ कराई जाए। जांच रिपोर्ट पर पर्दा, ट्रस्टियों का ‘क्लीन चिट’ का दावा हैरानी की बात यह है कि जब शिकायतकर्ता जांच के संबंध में अधिकारियों से संपर्क करते रहे, तो उन्हें यही बताया जाता रहा कि जांच अभी

जांजगीर-चांपा-कोरबा मार्ग पर बढहाली, गड़ों और धूल से राहगीर परेशान

जांजगीर चांपा,(आरएनएस)। जांजगीर-चांपा से कोरबा को जोड़ने वाले प्रमुख मार्ग पर इन दिनों राहगीरों को बढहाल सड़क के बीच सफर करना पड़ रहा है। सड़क पर जगह-जगह बड़े गड्डे बन गए हैं। कई हिस्सों में सड़क की सतह उखड़ चुकी है और गिट्टियां बिखरी हुई हैं। वाहनों के गुजरते ही धूल के गुबार उठने से राहगीरों की परेशानी और बढ गई है।

मौके पर सड़क की स्थिति ऐसी है कि वाहन चालकों को गड्डों से बचते हुए सावधानी से आगे बढना पड़ रहा है। खासकर दोपहिया वाहन चालक सबसे ज्यादा परेशान हैं। अचानक सामने आने वाले गड्डों के कारण उन्हें बार-बार ब्रेक लगाना पड़ता है। वहीं तेज रफ्तार से गुजरने वाले भारी वाहनों के कारण धूल सड़क पर फैल जाती है, जिससे कुछ समय के लिए दृश्यता भी प्रभावित होती है।

स्थानीय निवासी विनय पटेल ने बताया कि इस मार्ग से रोजाना बड़ी संख्या में लोगों का आना-जाना होता है। सड़क की



हालत खराब होने के बावजूद स्थायी मरम्मत नहीं होने से लोगों में नाराजगी है। उन्होंने कहा कि सड़क की जल्द मरम्मत कराकर आवागमन को सुरक्षित बनाया जाना चाहिए।

प्रक्रियाधीन है। लेकिन अचानक 22 अगस्त 2026 को संबंधित ट्रस्टियों द्वारा एक प्रेस नोट जारी कर और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर दावा कर दिया गया कि उन्हें प्रशासन से ‘क्लीन चिट’ मिल चुकी है। इस घटनाक्रम से आवेदक स्तब्ध हैं कि जिस जांच रिपोर्ट को प्रशासन आज तक गोपनीय बनाए हुए है, वह कथित क्लीन चिट का आधार ट्रस्टियों तक कैसे पहुंचा? जनसुनवाई, कमिश्नर और आरटीआई में भी नहीं मिली रिपोर्ट जांच रिपोर्ट हासिल करने और सच्चाई सामने लाने के लिए आवेदक नीरज तिवारी ने 11 अगस्त 2026 को कलेक्टर जनसुनवाई में विधिवत आवेदन दिया, उसी दिन सूचना के अधिकार अधिनियम (R II) के तहत आवेदन लगाया और 8 सितंबर 2026 को संभागीय कमिश्नर को भी शिकायत दर्ज कराई। महीनों बीत जाने के बाद भी न तो जांच रिपोर्ट उपलब्ध कराई गई और न ही ट्रस्टियों द्वारा फैलाए जा रहे कथित भ्रामक दावों पर कोई स्पष्टीकरण जारी किया गया। लोकायुक्त और E O W में होगी अधिकारियों व ट्रस्टियों की शिकायत शिकायतकर्ता नीरज तिवारी ने स्पष्ट किया है कि यदि जांच पूरी हो चुकी है तो नियमानुसार शिकायतकर्ता को रिपोर्ट मिलनी चाहिए, और यदि जांच अब भी अधूरी है तो झुठे

दावे करने वालों पर वैधानिक कार्रवाई होनी चाहिए। प्रशासन के इस टालमटोल रवैये और रिपोर्ट छिपाए जाने के कारण अब वे ट्रस्टियों सहित जांच में संलिप्त अधिकारियों के खिलाफ लोकायुक्त संगठन एवं राज्य आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ में औपचारिक शिकायत दर्ज कराएंगे।

वाहन चालक धर्मेन्द्र महंत ने कहा कि गड्डों और बिखरी गिट्टी के कारण वाहन चलाना मुश्किल हो गया है। कई बार अचानक गड्डा सामने आने पर वाहन का संतुलन बिगड़ने की स्थिति बनती है।

रात के समय परेशानी और अधिक बढ जाती है। सड़क किनारे रहने वाले बुधराम कंवर ने बताया कि वाहनों के गुजरने से दिनभर धूल उड़ती रहती है। इसका असर सड़क किनारे रहने वाले लोगों के साथ दुकानदारों और राहगीरों पर भी पड़ रहा है। उन्होंने सड़क की मरम्मत के साथ धूल की समस्या से राहत के लिए आवश्यक कदम उठाने की मांग की। स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से सड़क का तत्काल निरीक्षण कराकर गड्डों को भरने, बिखरी गिट्टी हटाने और क्षतिग्रस्त हिस्सों की स्थायी मरम्मत कराने की मांग की है। लोगों का कहना है कि मार्ग की स्थिति जल्द नहीं सुधारी गई तो आवागमन की समस्या के साथ दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ सकता है।

एशियन गेम्स: मलेशिया को 5-1 से रौंदकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने जीता गोल्ड, हासिल किया ओलंपिक टिकट



काकामिगहारा (आरएनएस)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में मलेशिया के खिलाफ 5–1 से जीत दर्ज करते हुए ऐतिहासिक गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसी के साथ भारत ने एलए 2028 ओलंपिक का टिकट भी अपने नाम कर लिया।मैच की शुरुआत से ही भारतीय टीम ने दबदबा बनाए रखा। 11वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह ने पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए गोल करते हुए भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। हालांकि, 14वें मिनट में मलेशिया के शैली सिल्वरियस ने फील्ड गोल दागकर स्कोर 1–1 से बराबर कर दिया, लेकिन

इसके बाद भारतीय टीम ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। 23वें मिनट में गुजराज सिंह ने एक बेहतरीन पेनाल्टी कॉर्नर के जरिए बढ़त को 2–1 कर दिया। हाफ टाइम के बाद 42वें मिनट में हार्दिक सिंह ने पेनाल्टी स्ट्रोक को शानदार तरीके से गोल में तब्दील किया। इसके बाद 54वें मिनट में शिलानंद लाकड़ा ने एक फील्ड गोल दागा और अंततः 57वें मिनट में हरमनप्रीत सिंह ने अपना दूसरा गोल पेनाल्टी कॉर्नर से करते हुए मलेशिया की उम्मीदों को पूरी तरह खत्म कर दिया।

यह जीत कई मायनों में ऐतिहासिक है। भारतीय टीम ने एशियन गेम्स के इतिहास में पहली बार अपने गोल्ड मेडल का सफलतापूर्वक बचाव किया। इससे पहले हॉकी टीम ने एशियन गेम्स 2022 का गोल्ड भी अपने नाम किया था। यह एशियन गेम्स के अलग-अलग संस्करणों में भारतीय पुरुष हॉकी टीम का कुल 5वां गोल्ड मेडल है। देश ने साल 1966, 1998, 2014, 2022 और 2026 में यह खिताब जीता है।एशियन गेम्स में पहली बार पुरुष और महिला दोनों टीमों ने गोल्ड मेडल जीता है।

भारतीय महिला हॉकी टीम इंडिया ने शुक्रवार को खेले गए फाइनल में चीन को 1–0 से हराकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। इसके साथ ही भारतीय महिला हॉकी टीम ने 2028 ओलंपिक के लिए भी क्वालीफाई कर लिया।

मध्य प्रदेश शासन

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, नर्मदापुरम

क्रमांक जिय्याउके-नए/सामा0/2026/1321088

नर्मदापुरम, दिनांक 21.9.2026

:: वाहन अनुबंध विज्ञप्ति ::

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मध्यप्रदेश शासन, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग मंत्रालय, भोपाल के नियंत्रणाधीन महाप्रबन्धक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र नर्मदापुरम को शासकीय कार्य सम्पादन करने हेतु मासिक आधार पर शासन द्वारा निर्धारित शर्तों एवं स्वीकृत दरो पर वाहन किराये पर लिया जाना है। इस हेतु इच्छुक व्यक्ति/फर्म से सोलड निविदाये आमंत्रित है। निम्नानुसार पेट्रोल चलिता/डीजल चलिता वाहन जो क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय अथवा जिला परिवहन कार्यालय से टेक्सी कोटे में रजिस्टर्ड हो, जो वित्तीय वर्ष 2026-2027 एक वर्ष की अवधि हेतु अनुबंध (किराये) पर लेने के लिये निविदाये आमंत्रित की जाती है। निविदा के संबंध में वाहन का ब्योरा निम्नानुसार है :-

क्रमांक	वाहन का प्रकार	मॉडल	अधिकारी / कार्यालय का पदनाम/नाम जिस हेतु वाहन अनुबंध अनुसार न्यूनतम मासिक किराये पर लेना है	अवधि
1/	कार जिनकी अधिकतम लागत सीमा रूपये 7.00 लाख (Ex show Room Price)	माह जनवरी 2025 या उसके पश्चात के मॉडल	महाप्रबन्धक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, नर्मदापुरम	दि0 01-10-2026 से 31-03-2027 तक कुल अवधि माह ।

साथ ही निम्नांकित शर्तें अनुबंधित वाहन पर लागू होगी :-

1/ निर्धारित मासिक सीमा (किलोमीटर) के पश्चात वाहन चलने पर 10/- प्रति किलोमीटर की दर से भुगतान किया जावेगा ।

2/ निविदाकार के लिये अनुबंध की शर्तें बाध्यकारी रहेगी ।

3/ प्राप्त निविदाओं का मूल्यांकन एवं विश्लेषण कार्यालय द्वारा पृथक से गठित समिति द्वारा न्यूनतम दर एवं शासन की शर्तों के आधार पर किया जावेगा । आवश्यक निविदा प्रपत्र कार्यालय के सामान्य कक्ष से रूपये 200/- नागद जमा कर क्रय किया जा सकता है । पूर्णतया भरा हुआ निविदा प्रपत्र दिनांक 12-10-2026 को अपराह्न 5.00 बजे तक कार्यालय में जमा कर सकते है । निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त होने वाली निविदाओं पर विचार नहीं किया जावेगा। निविदा भरने हेतु आवश्यक निविदा प्रपत्र दिनांक 12-10-2026 समय 4.00 बजे तक विक्रय हेतु कार्यालय में उपलब्ध रहेगे। निर्धारित दिनांक/समय तक कार्यालय में प्राप्त निविदायें दिनांक 12-10-2026 को सांयकाल 6.00 बजे पृथक से गठित समिति के समक्ष खोले जावेंगे। अधिक जानकारी के लिये निविदाकार कार्यालयीन समय मे जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, नर्मदापुरम मे सम्पर्क कर सकते है ।

(नवीन कुमार शुक्ला)

महाप्रबन्धक

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र,

नर्मदापुरम

मोबाईल नम्बर 7000106549

जी/19389/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

जी/19389/26

हेलमेट पहनकर वाहन चलायें, अपनी व दूसरों की जान बचायें

नई दिल्ली (आरएनएस)। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान एबी डिविलियर्स को उम्मीद है कि 2027 पुरुष वनडे विश्व कप देश के क्रिकेटरों की नई पीढ़ी को प्रेरित करेगा। उन्होंने बताया कि कैसे 2003 में देश में हुए एडिशन ने 19 साल की उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने की चाहत रखने वाले उनके शुरुआती सफर को आकार दिया। दक्षिण अफ्रीका 2 अक्टूबर से 21 नवंबर, 2027 तक जिम्बाब्वे और नामीबिया के साथ 50 ओवर के इस मेगा ट्वेंटें को को-होस्ट करेगा। डिविलियर्स ने वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लेजेंड्स के ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर फैनकोड की एक खास चैट में आईएनएस से कहा, 2027 में वनडे वर्ल्ड कप 2003 के बाद पहली बार साउथ अफ्रीका वापस आ रहा है। 2003 वर्ल्ड कप ने मेरे करियर में बहुत बड़ा रोल निभाया। इसका मुझ पर बहुत बड़ा असर पड़ा। मुझे साफ तौर पर याद है कि एक ऑस्ट्रेलियाई ने यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिटोरिया में एक क्रिकेटिंग क्लिनिक किया था। वहीं मैंने उस समय, 19 साल की उम्र में क्रिकेट खेला था। मैं एडम गिलक्रिस्ट को थोड़ा और बेहतर जान पाया। उन्होंने उस दिन मेरी विकेटकीपिंग स्किल्स पर काम किया। उन्होंने कहा, उन्हें उस समय कोई आइडिया नहीं था कि मैं कौन हूं। मुझे उनके साथ एक बहुत अच्छा पल साफ तौर पर याद है। उन्होंने मुझे अपने बाएं हाथ पर काम करने के लिए कहा और कहा, 'ऑल द बेस्ट, यंगस्टर।' तीन साल बाद, मैंने उनके खिलाफ टेस्ट मैच और वनडे क्रिकेट खेला।

गांधी-शास्त्री जयंती पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने किया माल्यार्पण,स्वच्छता का दिया सदेश

नर्मदापुरम (निप्र)। अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विश्वास केलाश सारंग,राष्ट्रीय महासचिव अजय श्रीवास्तव नीलू एवं प्रांतीय अध्यक्ष सुनील श्रीवास्तव के आवाहन पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा मध्यभारत नर्मदापुरम की ओर से शुक्रवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और देश के पूर्व प्रधानमंत्री कायस्थ कुल गौरव लाल बहादुर शास्त्री की जयंती श्री चित्रगुप्त मंदिर कोठी बाजार में अत्यंत श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई गई। इस अवसर पर महासभा के सदस्यों ने दोनों महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए महासभा के जिला अध्यक्ष शैलेंद्र नाथ श्रीवास्तव एवं पदाधिकारियों ने मंदिर परिसर के आस पास की साफ-सफाई की और स्वच्छता का संदेश दिया। प्रांतीय सचिव राजीव खरे ने कहा कि गांधीजी के स्वच्छ भारत के सपने को साकार करने के लिए हम सबको मिलकर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के सत्य-अहिंसा और लाल बहादुर शास्त्री के सादगीपूर्ण जीवन व 'जय जवान-जय किसान' के नारे को याद करते हुए कहा कि इन दोनों महान विभूतियों के विचार आज की युवा पीढ़ी के लिए सबसे बड़े प्रेरणास्रोत हैं।कार्यक्रम में महासभा के जिला महामंत्री अशोक श्रीवास्तव,जिला कोषाध्यक्ष अजय निगम, जिला सचिव विजय प्रकाश श्रीवास्तव,सुश्री जय वाला निगम,जिला युवा अध्यक्ष भानु प्रकाश श्रीवास्तव, युवा नगर अध्यक्ष डॉ.दिनेश श्रीवास्तव,शरद श्रीवास्तव, वृजेश श्रीवास्तव,आलोक श्रीवास्तव और कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। जिन्होंने महापुरुषों के बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में आभार प्रदर्शन करते हुए नगर अध्यक्ष डॉक्टर दिनेश श्रीवास्तव ने कहा महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के मार्ग तथा शास्त्री जी के 'जय जवान, जय किसान' के उद्घोष को जीवन में उतारना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हम सब मिलकर अपने नगर को स्वच्छ, सुंदर और आदर्श नगर बनाने के लिए इसी प्रकार एकजुट होकर कार्य करते रहेंगे।'

श्रीमद्भगवत कथा के सातवें दिन सुदामा चरित्र, परीक्षित मोक्ष की कथाओं का वर्णन किया

भगवान भी पटरानियों सहित भक्त सुदामा के चरण पस्वारते है : आचार्य पं.अविनाश मिश्रा

सोहागपुर (निप्र)। वाटिका गार्डन में आयोजित श्रीमद्भगवत कथा के सातवें दिन कथा व्यास आचार्य अविनाश मिश्रा ने पौंड्रिक ,जरासंध प्रसंग का वर्णन करते हुए सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया। सुदामा जी जितेंद्रिय एवं भगवान कृष्ण के परम मित्र थे। भिक्षा मांगकर अपने परिवार का पालन पोषण करते। गरीबी के बावजूद भी हमेशा भगवान के ध्यान में मग्न रहते। पत्नी सुशीला सुदामा जी से बार बार आग्रह करती कि आपके मित्र तो द्वारकाधीश हैं। उनसे जाकर मिलो शायद वह हमारी मदद कर दें। सुदामा पत्नी के कहने पर द्वारका पहुंचते हैं और जब द्वारपाल भगवान कृष्ण को बताते हैं कि सुदामा नाम का ब्राम्हण आया है। कृष्ण यह सुनकर नंगे पैर दौड़कर आते हैं और अपने मित्र को गले से लगा लेते। उनकी दीन दशा देखकर कृष्ण के आंखों से अश्रुओं की धारा प्रवाहित होने लगती है। सुदामा जी को सिंघासन पर बैठाकर कृष्ण जी सुदामा के चरण धोते हैं। सभी पटरानियां सुदामा जी से आशीर्वाद लेती हैं। सुदामा जी विदा लेकर अपने स्थान लौटते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा से अपने यहां महल बना पाते हैं लेकिन सुदामा जी अपनी फूस की बनी कुटिया में रहकर भगवान का सुमिरन करते हैं। इस लिए कहा गया है कि जब जब भक्तों पर विपदा आई है प्रभु उनका तारण करने जरूर आए हैं। अगले प्रसंग में शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को सात



दिन तक श्रीमद्भगवत कथा सुनाई, जिससे उनके मन से मृत्यु का भय निकल गया। तक्षक नाग आता है और राजा परीक्षित को डस लेता है। राजा परीक्षित कथा श्रवण करने के कारण भगवान के परमधाम को पहुंचते है। समापन अवसर पर होम हवन शांति , मंडल इत्यादि पूजन विसर्जन पूर्णाहुति कर्म सम्पन्न हुआ इस अवसर पर कथा यजमान राजो मालवीय,संजय खंडेलवाल, साहब सिंग पांजरा, मनोज मालवीय, साहब भैया पालादेवरी, दशरथ पटेल बेंगनिया, सुकेश राय, साधना अनिल जायसवाल, प्रतिमा निवेश जैसवाल, अशोक कहार माखन नगर, कुलदीप ठाकुर, भवानी सिंग, हरि मोणा, समर्थ, साहब भैया महुआखेड़ा, स्वदेश मालवीय, आशीष डोनीवाल, अखिलेश मालवीय, रितेंद्र ठाकुर, शिवकुमार पटेल , राजेंद्र वर्मा बरेली, सुकेश राय , बलराम यादव ,

राजेंद्र अग्रवाल पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा रायसेन , सजल मालवीय , गौरव अग्रवाल, विपिन यादव , फूलचंद यादव ,जसवंत यादव, शरद चौरसिया , आनंद साहू ,श्रीमती शीतल खंडेलवाल , चित्रा तिवारी, शशि मालवीय , अर्चना खंडेलवाल , सुनीता माहेश्वरी सहित बड़ी संख्या में भागवत श्रोता उपस्थित रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 4 अक्टूबर को वृद्धाश्रम एवं बाल कल्याण गृह में सेवा गतिविधियां
नर्मदापुरम (निप्र)। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार जिले में 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक सेवा संकल्प अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत 2 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में 4 अक्टूबर को इटारसी में वृद्धजनों एवं बच्चों के साथ सेवा गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधिगण भी सम्मिलित होंगे। 4 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे से इटारसी में राम वृद्ध जन कल्याण समिति द्वारा संचालित वृद्धाश्रम में 'वृद्धाश्रम एवं बाल कल्याण गृह में सेवा' कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दौरान वृद्धजनों से संवाद कर उनके साथ समय बिताया जाएगा। साथ ही भोजन एवं फल वितरण तथा स्वास्थ्य जांच जैसी सेवा गतिविधियां की जाएंगी।

राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ का दो दिवसीय प्रांतीय अधिवेशन आज से
नर्मदापुरम। राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ का प्रांतीय अधिवेशन 4और 5 अक्टूबर को नर्मदापुरम जिले के माखन नगर गूजरवाड़ा 'जय गुरुदेव भवन' में आयोजित किया जा रहा है राष्ट्रीय किसान मजदूर महासंघ जो की ट्रेड यूनियन में दर्ज राष्ट्रीय संगठन है जिसकी मध्य प्रदेश के अलावा अन्य प्रदेशों में भी इकाइयां है कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवकुमार कक्का प्रदेश अध्यक्ष शोभाराम भल्लवी प्रदेश अध्यक्ष महिला इकाई गीत मोणा राष्ट्रीय संगठन मंत्री रवि दत्त सिंह प्रदेश संगठन मंत्री गोपाल पाटीदार एवं प्रदेश सहित मध्य भारत प्रांत के सभी आठों जिलों एवं नर्मदापुरम जिले के सभी ब्लॉकों के पदाधिकारी उपस्थित कर रहेंगे कार्यक्रम में मेधावी छात्रों एवं क्षेत्र के पत्रकारों का भी सम्मान किया जाएगा। दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण संगठन की संपूर्ण रीति नीति एवं किसानों के हितों के लिए आगे की रणनीति कार्य योजना तय की जाएगी,।

अवैध मदिरा विक्रय के विरुद्ध आबकारी विभाग की कार्रवाई

पंचायत उप निर्वाचन 2026 (पूर्वार्ध) के परिणाम घोषित

सोहागपुर क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों में दबिश देकर 4 प्रकरण दर्ज, 120 किलो महुआ लाहन एवं 15 लीटर हाथभट्टी मदिरा जब्त

नर्मदापुरम(निप्र)। सारंगपुर, छेड़का, मढ़ाई, टेकापार एवं बंगाली सोहागपुर क्षेत्र में की गई कलेक्टर नर्मदापुरम सोमेश कार्रवाई के दौरान अवैध मदिरा के विरुद्ध कुल 4 प्रकरण मध्यप्रदेश मिश्रा के निर्देश एवं आबकारी अधिनियम, 1915 की संबंधित धाराओं के तहत कायम किए मार्गदर्शन में जिले में अवैध गए। कार्रवाई के दौरान आबकारी विभाग की टीम ने लगभग 120 मदिरा के निर्माण, संग्रहण किलोग्राम महुआ लाहन, 15 लीटर हाथभट्टी मदिरा एवं 8 पाव देशी प्लेन एवं विक्रय के विरुद्ध मदिरा जब्त की। जब सामग्री की अनुमानित कीमत लगभग 15 हजार अभियान लगातार जारी है। 600 रुपए आंकी गई है। यह कार्रवाई ग्रामीणों द्वारा अवैध मदिरा विक्रय इसी क्रम में ग्रामीणों से प्राप्त एवं निर्माण के संबंध में की गई शिकायतों के आधार पर की गई। शिकायतों के आधार पर आबकारी विभाग द्वारा वृत्त सोहागपुर अंतर्गत आबकारी विभाग द्वारा अवैध मदिरा के निर्माण, संग्रहण एवं विक्रय के विभिन्न ग्रामों में कार्रवाई की गई। ग्राम जमुनिया, झालोन, कामती, विरुद्ध कार्रवाई निरंतर जारी रखने की बात कही गई है।

नर्मदापुरम (निप्र)। पंचायत उप निर्वाचन में अभ्यर्थी क्रमांक 1 अमित कहार को 375 मिसरोद में सरपंच पद के निर्वाचन में 2026 (पूर्वार्ध) के अंतर्गत जनपद पंचायत मत, अभ्यर्थी क्रमांक 2 योगेंद्र पाल को 386 मत तथा नोटा को 11 मत प्राप्त हुए। कुल 772 मत, अभ्यर्थी क्रमांक 2 माखनलाल पंचायतों में सरपंच एवं पंच पद के निर्वाचन मतों में से योगेंद्र पाल ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी से 11 मत अधिक प्राप्त कर सरपंच पद पर निर्वाचन हासिल किया। सिवनिमालवा में ग्राम पंचायत फरीदपुर में योगेंद्र पाल, जबकि नर्मदापुरम में ग्राम पंचायत सांवलखेड़ा में सुनीता मेहरा तथा ग्राम पंचायत मिसरोद में कमल किशोर चौधरी मेहरा को 561 मत, अभ्यर्थी क्रमांक 2 विनोती बामने को 180 मत तथा नोटा को 10 मत प्राप्त हुए। कुल 751 मतों में से सुनीता चौधरी ने 24 मत अधिक प्राप्त कर सरपंच पद वाई क्रमांक 13 से महेश पंच पद के लिए पंचायत फरीदपुर में सरपंच पद के निर्वाचन पर निर्वाचन हासिल किया। ग्राम पंचायत निर्विरोध निर्वाचित हुए।

समर्थ युवा, सशक्त भारत

सीएम नरेंद्र मोदी

यूथ कॉन्क्लेव 2026

युवाओं के लिए अवसर, कौशल, रोज़गार और नवाचार से जुड़ी जानकारी एवं संभावनाओं का मंच

6 अक्टूबर, 2026 | लाल परेड ग्राउंड, भोपाल

स्टार्टअप एवं उद्यमिता

युवा उद्यमियों और स्टार्टअप्स की सहभागिता। फार्मास्युटिकल, मैनुफैक्चरिंग, AI/मशीन लर्निंग और फूड प्रोसेसिंग जैसे क्षेत्रों के स्टार्टअप्स की प्रस्तुति

कैरियर एवं कौशल के अवसर

कौशल विकास, कैरियर मार्गदर्शन और रोज़गार से जुड़ी जानकारी एक ही स्थान पर

युवा नवाचार एवं प्रदर्शन

AI, साइबर सिक्योरिटी, ड्रोन टेक्नोलॉजी, विज्ञान एवं नवाचार, कृषि क्षेत्र में रोज़गार, फ्यूचर रेडी एजुकेशन और टेक्नोलॉजी से जुड़े प्रदर्शन

शासकीय योजनाओं की जानकारी

पात्रता, पंजीयन, आवेदन प्रक्रिया, प्रशिक्षण और उपलब्ध सुविधाओं से संबंधित स्टॉल

सार्वजनिक एवं निजी विश्वविद्यालयों की सहभागिता

विश्वविद्यालयों द्वारा कैरियर मार्गदर्शन, नवाचार, उद्यमिता, तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार के अवसरों की जानकारी

युवा अधिक से अधिक सहभागिता करें

आकल्पन | ज.प्र. माध्यम/2026

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एवं व्यूयों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा "शिवानी भवन", क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।

स्थानीय व्यूयों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitiikiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitiikiran.com